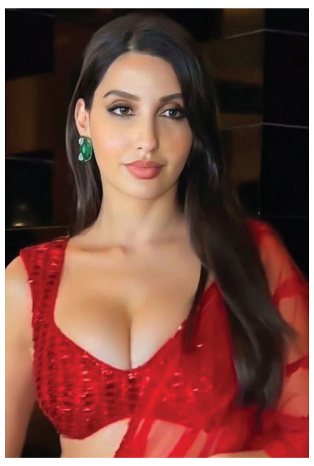

खबर जो सच उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष-7, अंक-119, पृष्ठ-8, मूल्य- 1 रुपया

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

संपादक - अश्वनी वर्मा

70180-86211

prachandsamay.com

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

सुविचार

सच्ची खुशी केवल अपने लिए जीने में नहीं है, बल्कि दूसरों की मदद करने और उनके जीवन में खुशियां लाने में ही असली आनंद छिपा होता है।

बादशाह और नोरा फतेही का गाना ‘सजन रे’... पेज-8

ओमैक्स पार्कवुड रेजिडेंट सोसायटी द्वारा आयोजित ... पेज-6

शिमला, सोमवार, 06 अप्रैल, 2026

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी के साथ ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलने का येलो अलर्ट, जानें अपडेट

प्रचण्ड समय . शिमला

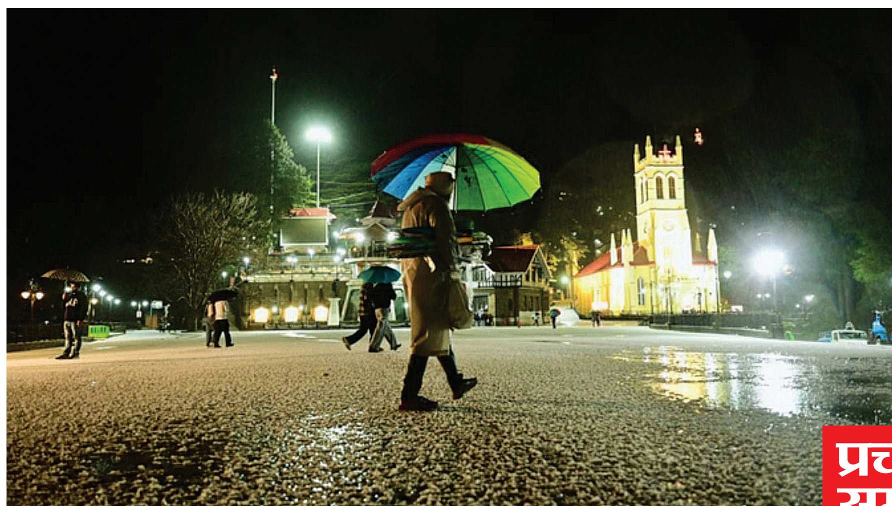

मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बीच शनिवार को हिमाचल के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश-ओलावृष्टि हुई है। शिमला, कुल्लू और कांगड़ा समेत कई क्षेत्रों में बारिश के साथ ओले गिरे, जबकि किन्नौर, लाहौल-स्पीति, भरमौर-पांगी में बर्फबारी हुई है। अप्रैल में लाहौल-स्पीति और पांगी, किन्नौर के कई रिहायशी इलाकों में हिमपात हुआ है।

बर्फबारी के चलते मनाली से आगे धुंधी में वाहनों में घंटों तक हजारों पर्यटक फंसे रहे, जिन्हें देर शाम को रेस्क्यू किया गया। मौसम के बदले मिजाज के चलते ताबो में न्यूनतम तापमान शून्य के करीब पहुंच गया है। उधर, मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने रविवार को भी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी के साथ ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलने का येलो अलर्ट जारी किया है।

7-8 अप्रैल को ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट है। शनिवार को लाहौल-स्पीति के कई क्षेत्रों में बर्फबारी हुई। जिला मुख्यालय केलांग में 12, कोकसर 18, रोहतांग दर्रा में 30, बारालाचा में 35 सेंटीमीटर तक ताजा बर्फबारी हुई है। बर्फबारी के चलते पुलिस ने नेशनल हाईवे तीन पर मनाली से केलांग के बीच सामान्य वाहनों को सोलंगनाला में ही रोक दिया, जबकि फोर बाई फोर वाहन अटल टनल रोहतांग की ओर भेजे गए।

इसी बीच, मनाली की तरफ धुंधी में बर्फ पर फिसलन के चलते करीब एक हजार वाहनों में लगभग पांच हजार पर्यटक कई घंटे फंसे रहे। इन्हें देर शाम पुलिस ने रेस्क्यू कर मनाली पहुंचाया। अटल टनल के दोनों छोर पर शनिवार सुबह से ही बर्फबारी का दौर रहा। लाहौल में बर्फबारी के बाद जनजीवन प्रभावित हुआ है। उधर, भरमौर-पांगी की चस्क भुटोरी और परमार भुटोरी, सुसार हिल्स और सुराल जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में 10 से सेंटीमीटर से लेकर डेढ़ फीट तक बर्फबारी हुई।

प्रचण्ड समय

किलाड़ में 2.54 सेंटीमीटर हिमपात दर्ज किया गया। पांगी के 235 गांवों में बिजली की आपूर्ति बाधित होने से अंधेरा पसरा रहा। किन्नौर जिले में आसरंग, नाको और मलिंग जैसे कई पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात, जबकि शिमला जिले के रामपुर, ठियोग, कुमारसैन, कुल्लू जिले के आनी में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई है।

कांगड़ा जिले में तेज बारिश के साथ धर्मशाला व आसपास के क्षेत्रों में ओले भी गिरे। इससे गेहूं सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। धर्मशाला के दाड़नू और शाहपुर में पेड़ों पर बिजली गिरी। मंडी में दिनभर धूप-छांव के बीच हल्की बूंदाबांदी होती रही।

ताबो में न्यूनतम पारा 0.6 डिग्री हुआ रिकॉर्ड, ऊना में 33 पहुंचा तापमान

ताबो में प्रदेश का सबसे कम न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि ऊना में 33 डिग्री सेल्सियस रहा। शिमला के तापमान में -0.9, सुंदरनगर में -1.8, भुंतर में -2.8, कल्पा में -6.5, धर्मशाला में -2.0, ऊना में -2.4, नाहन में -1.7, सोलन में -5.0, मनाली में -3.8 और कांगड़ा में -3.0 गिरावट रही।

जमीन पर गिरे फूल बगीचों में छाए निराशा के बादल

जिला शिमला की तहसील कुमारसैन की अधिकांश पंचायतों में शनिवार को भारी ओलावृष्टि हुई। सेब के बगीचों में फ्लॉवरिंग का दौर चल रहा है। ऐसे में अचानक हुई तेज ओलावृष्टि ने सेब की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई स्थानों पर बगीचों में फूल और नई कोंपलें झड़ गई हैं। सेब के पेड़ों से जमीन पर फूल गिर गए हैं, जिससे बगीचों में निराशा के बादल छा गए हैं। करीब आधे घंटे तक लगातार गिरे ओलों ने बगीचों और खेतों को सफेद चादर से ढक दिया। जंजैली, जार, करेवथी, मलैंडी, कांगल, मोगड़ा और आसपास के क्षेत्रों में ओलावृष्टि का असर ज्यादा देखने को मिला।

जमीन घोटाले में बेनकाब हो रहे चेहरों को बचाने में जुटी सुक्खू सरकार : जयराम ठाकुर

प्रचण्ड समय . शिमला

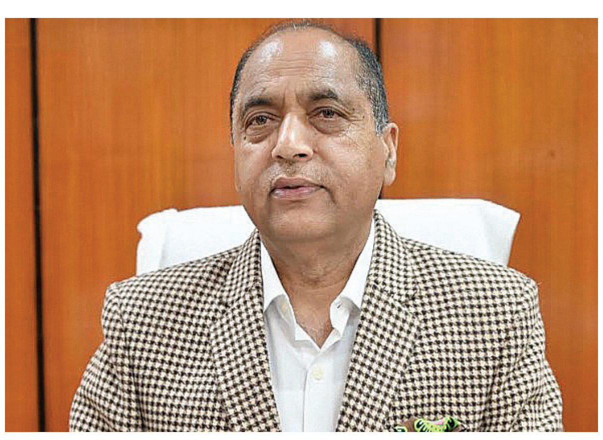

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को लेकर प्रदेश की सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोला है और कहा है कि जब भ्रष्टाचार में संलिप्त चेहरे बेनकाब होने लगे हैं, तो पूरी कांग्रेस पार्टी और सरकार में खलबली मच गई है। मंडी से मीडिया को जारी बयान में जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने के बजाय मुख्यमंत्री साक्ष्यों को दबाने और दोषियों को संरक्षण देने में जुटे हैं, जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ और अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

चेस्टर हिल मामले का विशेष उल्लेख करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भले ही सरकार ने भारी दबाव और सोशल मीडिया पर मामला उजागर होने के बाद मुख्य सचिव द्वारा जारी विवादास्पद पत्र को वापस ले लिया हो, लेकिन इससे सरकार की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती, बल्कि कई ऐसे अनसुलझे सवाल खड़े हो गए हैं जिनका जवाब ‘व्यवस्था परिवर्तन’ का नारा देने वाली इस ‘सुख की सरकार’ को जनता को देना ही होगा।

जयराम ठाकुर ने सिलसिलेवार तरीके से सरकार को घेरते हुए पूछा कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी कि मुख्य सचिव द्वारा लिखे गए पत्र को आनन-फानन में वापस लेना पड़ा और क्या वह पत्र वास्तव में अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर लिखा गया था? उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यह पत्र किसके इशारे पर लिखा गया था और इसके पीछे वास्तविक मंशा क्या थी। विशेष रूप से अधिकारी की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाते हुए उन्होंने पूछा कि जब अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) अवकाश पर थे, तो उनके कार्यभार को संभाल रहे अधिकारी ने इतनी ‘अतिरिक्त मेहनत’ दिखाकर आनन-फानन में फैसला क्यों सुनाया और सबसे बड़ी बात यह कि दोनों पक्षों की दलीलें सुने बिना एकतरफा निर्णय किसके हित साधने के लिए लिया गया?

प्रचण्ड समय

जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री की भूमिका पर भी कड़ा एतराज जताया और कहा कि जब यह मामला मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक हो चुका था, तब मुख्यमंत्री पूरे प्रकरण से अनभिज्ञ होने का ‘नाटक’ क्यों करते रहे और लगातार संबंधित अधिकारियों का बचाव किस आधार पर किया जा रहा था।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के इस खेल में पर्दे के पीछे छिपे किरदारों को अब छिपने की जगह नहीं मिलेगी और सरकार को इन तीखे सवालों का जवाब देना ही पड़ेगा, क्योंकि प्रदेश की जनता देख रही है कि कैसे सत्ता का दुरुपयोग कर चहेतों को लाभ पहुँचाने की कोशिश की जा रही है।

जयराम ठाकुर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि पत्र वापस लेना केवल एक लीपापोती है, जबकि असली खेल उस प्रक्रिया और मंशा में छिपा है जिसके तहत एकतरफा आदेश पारित किए गए थे, और विपक्ष इस मामले को तार्किक परिणति तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संपूर्ण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित बनाया जा रहा-कुलदीप सिंह पठानियां

प्रचण्ड समय . भटियात

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां जी ने भटियात विधानसभा क्षेत्र के तहत “चुवाडी सेक्टर” के 38 पोलिंग स्टेशन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ अम्बेडकर भवन चुवाडी में समीक्षा बैठक की और आगामी रणनीति पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

कुलदीप सिंह पठानियां जी ने कहा कि भटियात विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई तथा विद्युत आपूर्ति से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं को कार्यान्वित करते हुए संपूर्ण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित बनाया जा रहा है।।

प्रचण्ड समय

ब्रेक फेल होने से हुआ हादसा, 4 की हो चुकी है मौत; 19 घायल; कुल 23 लोग थे सवार

प्रचण्ड समय . कुल्लू

बंजार के सोझा में शनिवार देर रात को हुए सड़क हादसे की परतें अब खुलने लगी हैं। ट्रैवलर बस की ब्रेक फेल होने की बात सामने आई है। एनएच-305 से टेंपो ट्रैवलर गहरी खाई में गिरने से 19 घायल हैं, जबकि चार की मौत हो गई है। ट्रैवलर में कुल 23 सवार थे। 19 घायलों में से 13 का कुल्लू अस्पताल में उपचार चल रहा है। तीन घायलों को पीजीआई चंड़ीगढ़ और एक को मेडिकल कॉलेज नेरचौक भेजा गया है।

हादसे में दिपाली पत्नी करण, हाउस नंबर 283/77 मंडी वाली गली नंबर छह, विष्णु गार्डन दिल्ली, सिमरन पत्नी रोहित मेहता निवासी हाउस नंबर 54, जय श्री बिहार, जिला कोटा, राजस्थान, अमित कुमार पुत्र हीरावन पंचवटी, आदर्श नगर, नॉर्थ वेस्ट, दिल्ली की मौत हो गई है। हादसे में चौथे मृतक की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। हादसे की बजह फ्रेल फेल होना रहा है। जलोड़ी दर्रा से नीचे सोझा की ओर जब चालक सहित 23 पर्यटकों से भरी ट्रैवलर जब आ रही थी तो बीच में ब्रेक पैड गर्म हो गया था। इसके बाद टेंपो ट्रैवलर को सड़क के किनारे 15 मिनट के लिए खड़ा किया था। जब इसे स्टार्ट कर फिर चलाया गया तो यह आवाज के साथ अनियंत्रित हुई। हालांकि चालक ने ब्रेक लगाने की कोशिश की थी।

ट्रेलवर के चालक और ट्रिप कैप्टन दीनू सैफी ने भी इस बात को कबूल किया है। ट्रिप कैप्टन दीनू सैफी ने कहा कि ब्रेक न लगने के कारण ट्रैवलर गहरी खाई में जा गिरी। वहीं हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। एसडीएम बंजार पंकज शर्मा ने कहा कि हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। इससे हादसे के असली कारणों का पता चल सकेगा।

एसपी कुल्लू मदन लाल कौशल ने कहा कि हादसे में मृतक के परिजनों को सूचित किया गया है। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

प्रचण्ड समय

अब रोजाना देखें प्रचण्ड समय का

ई-पेपर

www.prachandsamay.com

हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के पाठकों का पसंदीदा अखबार

न्यूज ब्रीफ..

जींद को विपक्ष ने नजर अंदाज किया, केवल वोट की फसल काटी गईः नायब सैनी

शिमला . हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्षी दलों का एक ही एजेंडा है, वोट लो और शोषण करो। जींद क्षेत्र के लोगों के साथ उन्होंने हमेशा झूठे वायदे किए और विकास की बजाय यहां पिछड़ेपन को रखा। मुख्यमंत्री रविवार को जींद में आयोजित धन्यवाद व विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। रैली के संयोजक हरियाणा के डिप्टी स्पीकर डॉ कृष्ण कुमार मिड्ढा ने जींद पहुंचने पर मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 253 करोड़ रूपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया।

रैली में उपस्थित भारी भीड़ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जींद की यह भूमि परिश्रम और प्रगति का संगम है। यह हरियाणा की वह धड़कन है, जहां जब किसान का पसीना मिट्टी में मिलता है, तो देश के अन्न भंडार भर जाते हैं। मैं इस वीर भूमि पर आयोजित इस धन्यवाद व विकास रैली में आए सभी बुजुर्गो, माताओं-बहनों और युवा साथियों का हार्दिक वंदन करता हूं।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जींद को लम्बे समय से नजर अंदाज किया गया। झूठे वायदे करके वोटों की फसल तो दो-दो-तीन-तीन पीढ़ियों तक काटी गई, लेकिन विकास के नाम पर कुछ नहीं किया गया। परिवारवाद के दलदल में फंसे लोग आपके बच्चों के भविष्य को लेकर संजीदा नहीं रहे। उन्होंने सिर्फ अपने बच्चों का भविष्य ही सुरक्षित किया है, लेकिन हमने इस क्षेत्र का हक सूद समेत लौटाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि जनता ने हमें लगातार तीसरी बार सेवा का अवसर दिया है, वह हमारे लिए एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। यह जनादेश हमें यह याद दिलाता है कि हमें और अधिक समर्पण के साथ काम करना है और हर उस वादे को पूरा करना है, जो हमने आपसे किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 में से 60 वादों को डेढ साल में ही पूरा कर दिखाया है। यही नहीं, 157 वादों पर काम प्रगति पर है। विधानसभा के चुनाव प्रचार का श्रीगणेश भी उन्होंने जींद की भूमि से ही किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विकसित भारत 2047' का जो विजन देशवासियों के सामने रखा है, वह केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है। इसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 'राष्ट्र प्रथम' की नीति पर चलते हुए हर संकट में भारतीयों के साथ खड़ी है। चाहे कोरोना काल हो, या फिर अफगानिस्तान संकट, हमेशा प्रधानमंत्री देश की जनता के साथ खड़े नजर आएं हैं। हाल ही में जो वैश्विक परिस्थितियां बनी है, उसमें भले ही विश्व में तेल के दामों में इजाफा हुआ हो, लेकिन प्रधानमंत्री ने पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर जनता को बड़ी राहत दी है। हरियाणा सरकार आमजन को तेल और गैस उपलब्ध करवा रही है। साथ ही सरकार ने कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी नॉनस्टॉप डबल इंजन सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को जमीन पर उतारकर दिखाया है। सरकार ने हर क्षेत्र और हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई हैं और उन्हें पारदर्शिता के साथ लागू किया है। इस हलके में विकास कार्यों पर पिछले साढ़े 11 वर्षों में 2 हजार 217 करोड़ 61 लाख रुपये खर्च किए हैं। जबकि, कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 380 करोड़ 97 लाख रुपये खर्च किये गये थे।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान जींद की कई बड़ी परियोजनाओं का भी मंच से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में 36 हजार युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इन्हें मिलाकर पिछले साढ़े 11 सालों में 1 लाख 80 हजार नौकरियां दी जा चुकी हैं। इनमें से जिला जींद के लगभग 15 हजार युवाओं को नौकरियां मिली हैं, और फिलहाल भी हरियाणा में 13500 नई नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि जींद में विकास को रफ्तार देने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इसी के तहत प्रदेश सरकार ने पांडू पिंडारा गांव के नजदीक 32 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से नए बस अड्डे का निर्माण करवाया, पुरानी स्वीकृत कॉलोनियों में पेयजल-सीवरेज जैसी मूलभूत सुविधाओं पर 32 करोड़ 86 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जींद में नागरिक अस्पताल के 200 बिस्तरों के अतिरिक्त भवन का निर्माण 16 करोड़ रुपये की लागत से किया गया। साथ ही जींद-पानीपत रेलवे लाइन पर आर.यू.बी. का निर्माण 18 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से किया गया। वहीं,13 करोड़ 82 लाख रुपये की राशि से 10 एमएलडी का एसटीपी भी स्थापित किया गया। जींद-भिवानी रोड से जींद-हांसी रोड तक बाईपास का निर्माण 12 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि जींद के सेक्टर-9 में 132 केवी सब स्टेशन की स्थापना 12 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से की गई। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में छत्रपति शिवाजी छात्रावास का निर्माण 11 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से किया गया। जींद के सेक्टर 9 में 5 करोड़ 85 लाख रुपये की लागत से जिमखाना क्लब बनाया गया। इसी प्रकार उन्होंने जींद जिले में सरकार द्वारा किए गए अन्य विकास कार्यों का भी विवरण दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश में 10 नए आईएमटी स्थापित कर रही हैं। जिनमें से एक आईएमटी जींद में स्थापित होगी। इसकी भूमि की व्यवस्था के लिए ई-भूमि पोर्टल पर किसानों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अंत्योदय का विजन लेकर कार्य कर रही है, इसी के तहत सरकार के प्रयास है कि हर व्यक्ति के सिर पर छत्त हो। इसके लिए सरकार लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में भी प्रदेश के सर्वांगीण विकास और हर वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कुड्डू पंचायत में किए करोड़ों रुपए के उद्घाटन व शिलान्यास

प्रचण्ड समय . शिमला

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज जुब्बल उप मण्डल की सीमावर्ती पंचायत कुड्डू में करोड़ों की लागत से विभिन्न योजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन किए जिसके अंतर्गत उन्होंने नढाल सड़क संपर्क का भूमि पूजन किया जिसका निर्माण 3 करोड़ 83 लाख रुपए से होना है। साथ ही उन्होंने 1 करोड़ 87 लाख रुपयों से निर्मित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाडी रावत का उद्घाटन किया और बटाड़ गाँव वाले सामुदायिक भवन की आधारशिला भी रखी और इस भवन के निर्माण हेतू प्रथम चरण में 5 लाख रुपए भी जारी कर दिया गए है।

शिक्षा मंत्री ने इस अवसर पर स्थानीय जनता को सम्बोधित करते हुए बताया कि कुड्डू पंचायत उनके विधानसभा क्षेत्र की उत्तराखंड राज्य के साथ लगती एक दूरस्थ पंचायत है और उनके विधानसभा क्षेत्र का एक अट्टु अंग है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान इस पंचायत में चहूंमुखी विकास हुआ है जिसके अंतर्गत विभिन्न सड़कों एवं भवनों का निर्माण हुआ है। उसी श्रृंखला में आज भी विभिन्न शिलान्यास और उद्घाटन हुए है।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि ग्राम पंचायत कुड्डू में 2025 में आई प्राकृतिक आपदा के दौरान बहुत नुकसान हुआ था किन्तु सरकार द्वारा सभी प्रभावितों को तुरंत राहत पहुंचाई गई और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किया गया था। उन्होंने बताया कि जुब्बल नावर कोटखाई में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ किया जा रहा है जिसके अंतर्गत 550 करोड़ रूपये के विकासात्मक कार्य सड़क निर्माण और भवन निर्माण के क्षेत्र में किये जा रहे हैं।

शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ और गुणवतायुक्त शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षा के क्षेत्र में भी 9666 करोड़ के बजट का प्रावधान वित्त वर्ष 2026-27 के लिए किया गया है, जिसके तहत शिक्षा के आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जायेगा ताकि प्रदेश के प्रत्येक छात्र को गुणवतायुक्त शिक्षा घर द्वारा पर उपलब्ध हो सके।

रोहित ठाकुर ने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए बताया कि कोटखाई में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति मिलना एक बढ़ी उपलब्धि है और इस संस्थान के बनने से जहाँ एक ओर शिक्षा के स्तर में वृद्धि होगी वहीं स्थानीय छात्र-छात्राओं को भी गुणवतायुक्त शिक्षा घरद्वार पर ही उपलब्ध हो सकेगी।

साथ ही रोज़गार का सृजन भी होगा। इस वर्ष से छात्रों का प्रवेश भी आरम्भ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार शिक्षा के सुदृढ़ीकरण और उन्नयन हेतू प्रतिबद्ध है और निरंतर प्रभावी निर्णय ले रही है जिसके अंतर्गत हज़ारों की संख्या में शिक्षकों की भर्ती, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का विदेश भ्रमण, अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा और पौष्टिक आहार योजना इत्यादि शामिल है। इसके अतिरिक्त 151 स्कूलों को सीबीएसई से भी सम्बद्ध किया गया है।

इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं का समाधान किया।

इस अवसर पर राणा साहब ढाडी राणा सुरेन्द्र, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष कंवर महेंद्र सिंह, पूर्व उप प्रधान कामेश्वर ठाकुर, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक काल्टा, पूर्व पंचायत प्रतिनिधि एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी सहित उपमंडलाधिकारी जुब्बल गुरमीत नेगी, बीडीओ जुब्बल करण सिंह एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कौन बनेगा करोड़पति पर छाया राजगढ़ की पझौता घाटी का सिंहटू नृत्य

प्रचण्ड समय . राजगढ़

राजगढ़ की पझौता घाटी का प्रसिद्ध सिंहटू नृत्य बारे कौन बनेगा करोड़पति पूछे गए सवाल से सिरमौर की संस्कृति ने. एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर अपनी एक पहचान बनाई हैं। इस मंच पर इस पारंपरिक नृत्य का जिक्र होना न केवल सिरमौर बल्कि पूरे हिमाचल के लिए गर्व का क्षण बन गया। इससे पहले दिल्ली में 2026 की गणतंत्र दिवस की परेड़ में भी इस नृत्य को प्रस्तुत किया गया।

शो के दौरान महानायक अमिताभ बच्चन ने एक कंटेस्टेंट से सवाल किया कि 'सिंहटू नृत्य' देश के किस राज्य का लोकप्रिय नृत्य है? हालांकि कंटेस्टेंट इस सवाल का सही जवाब नहीं दे पाया, लेकिन इसके बाद जैसे ही सही उत्तर बताया गया, यह नृत्य फिर से चर्चा में आ गया और लोगों की जिज्ञासा का केंद्र बन गया। इस दौरान अमिताभ बच्चन ने न केवल सही जवाब साझा किया, बल्कि सिरमौर के प्रसिद्ध हाटी समुदाय का भी उल्लेख किया, जिससे इस नृत्य की सांस्कृतिक गहराई और महत्व को और भी पहचान मिली। यह पल दर्शकों के लिए जानकारीपूर्ण होने के साथ-साथ हिमाचल की लोक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाला साबित हुआ।

सिंहटू नृत्य सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा का प्रतीक है। सिरमौरी बोली में "सिंहटू" का अर्थ शेर का बच्चा होता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार शेर मां दुर्गा का वाहन माना जाता है, इसलिए इस नृत्य का धार्मिक महत्व भी अत्यंत गहरा है। आदिकाल से यह नृत्य देव स्थलों पर विशेष अवसरों पर प्रस्तुत किया जाता रहा है।

यह नृत्य वर्ष में केवल दो बार, दीपावली और एकादशी के पावन अवसर पर ही किया जाता है। इस दौरान मंदिरों और देव स्थलों से विशेष मुखौटे बाहर निकाले जाते हैं, जिन्हें बेहद श्रद्धा और परंपरा के साथ संभालकर रखा जाता है। नृत्य के दौरान कलाकार सिंह, रीछ, राल और बणमानुष जैसे विभिन्न रूपों के मुखौटे पहनकर प्रस्तुति देते हैं, जो इसे और भी आकर्षक और रहस्यमयी बनाते हैं।

वर्तमान समय में यह नृत्य सिरमौर जिले के मटलोडी कुफ्फर, लेऊ नाना जैसे गांवों में प्रमुख रूप से किया जाता है। हालांकि, इसकी लोकप्रियता अब गांवों तक सीमित नहीं रही। राज्यस्तरीय कार्यक्रमों से लेकर शिमला के रिज मैदान जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भी सिंहटू नृत्य की प्रस्तुति दी जाती है, जहां यह दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस नृत्य को पहचान दिलाने में लोक कलाकार जोगिंदर हाबी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके प्रयासों से सिंहटू नृत्य ने विश्व मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई है। कौन बनेगा करोड़पति जैसे बड़े मंच पर इस नृत्य का जिक्र होना इस बात का प्रमाण है कि हिमाचल की लोक संस्कृति अब केवल क्षेत्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। सिरमौर का 'सिंहटू' एक बार फिर सुर्खियों में हैऔर यह साबित कर रहा है कि हमारी लोक परंपराएं समय के साथ और भी मजबूत होकर उभर रही हैं।

सीपीआई(एम) ने कार्यवाहक मुख्य सचिव संजय गुप्ता को हटाने की मांग की, Chester Hill मामले में FIR की मांग

प्रचण्ड समय . रामपुर

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की राज्य कमेटी ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि कार्यवाहक मुख्य सचिव संजय गुप्ता को तत्काल पद से हटाया जाए तथा Chester Hill, सोलन प्रकरण में पद का दुरुपयोग कर कानूनों का उल्लंघन करने के आरोपों पर उनके खिलाफ FIR दर्ज कर मुकदमा चलाया जाए।

यह जानकारी पार्टी के राज्य सचिव संजय चौहान ने देते हुए कहा कि सरकार प्रदेश में भू-माफिया और रियल एस्टेट माफिया द्वारा गैरकानूनी भूमि खरीद के मामलों की जांच के लिए SIT गठित करे तथा इसमें संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाए।सीपीआई(एम) ने आरोप लगाया कि 30 मार्च को प्रेसवार्ता के दौरान पार्टी ने कार्यवाहक मुख्य सचिव पर गंभीर आरोप लगाए थे। पार्टी का कहना है कि Chester Hill के मालिकों द्वारा सोलन में की गई भूमि खरीद में हिमाचल प्रदेश किरायेदारी और भूमि सुधार अधिनियम, 1972 की धारा 118 का उल्लंघन हुआ है। इस संबंध में उपायुक्त सोलन को शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिसके बाद जांच उपमंडल अधिकारी सोलन को सौंपी गई।

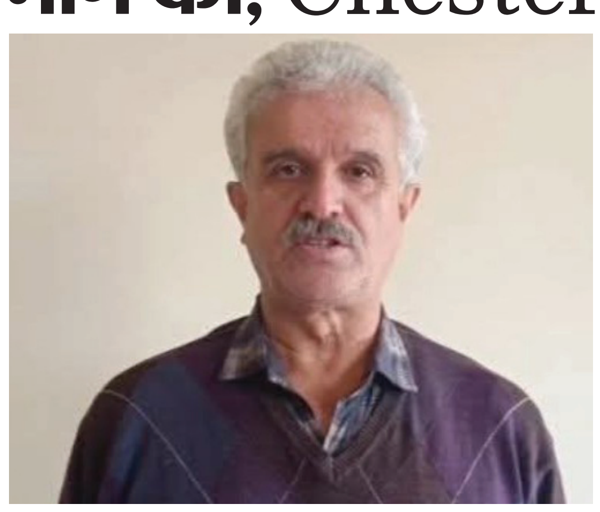

पार्टी के अनुसार जांच रिपोर्ट में यह पाया गया कि Chester Hill के मालिकों ने बेनामी संपत्ति के रूप में जमीन खरीदी है और रिपोर्ट में धारा 118 के उल्लंघन की पुष्टि करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की गई थी।सीपीआई(एम) का आरोप है कि इसके बावजूदकार्यवाहक मुख्य सचिव संजय गुप्ता ने 6 दिसंबर 2025 को उपायुक्त सोलन को एक पत्र लिखकर जांच रिपोर्ट को नकार दिया तथा उपायुक्त पर कार्रवाई न करने का दबाव बनाया। पार्टी का कहना है कि मुख्य सचिव को धारा 118 के मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है।पार्टी ने यह भी बताया कि अब सरकार के अतिरिक्त सचिव (राजस्व) ने मुख्य सचिव द्वारा लिखे गए पत्र को निरस्त कर दिया है तथा Chester Hill के मालिकों के खिलाफ धारा 118 के तहत कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। ऐसे में कथित बेनामी भूमि अब सरकार के कब्जे में ली जाएगी।इसके अलावा पार्टी ने आरोप लगाया कि नगर निगम सोलन द्वारा Chester Hill के गैरकानूनी निर्माण को गिराने संबंधी आदेशों पर भी मुख्य सचिव ने गैरकानूनी तरीके से रोक लगाई।

"आसाम में सपनों का हिमाचल, जमीनी हकीकत में संकट" - सीएम के बयानों पर सुधीर शर्मा का तीखा हमला

प्रचण्ड समय . शिमला

भाजपा नेता एवं विधायक सुधीर शर्मा ने मुख्यमंत्री के आसाम दौरे के दौरान दिए गए बयानों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार प्रदेश की जनता को गुमराह करने में लगी हुई है और "हकीकत से कोसों दूर सपनों का हिमाचल" देशभर में परोसा जा रहा है।

सुधीर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आसाम में दावा किया कि प्रदेश में कोई वित्तीय संकट नहीं है, सभी कर्मचारियों को समय पर वेतन और पेंशन मिल रही है, महिलाओं को 1500 की गारंटी दी जा रही है और 59 वर्ष से ऊपर पुरुषों को भी इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "अगर सब कुछ इतना ही बेहतर है, तो फिर प्रदेश की जनता रोज़-रोज़ सड़कों पर क्यों है?"

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जहां एक ओर 2027 तक आत्मनिर्भर और 2032 तक सबसे अमीर राज्य बनने के दावे कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उप मुख्यमंत्री स्वयं कह रहे हैं कि यह व्यवहारिक और संभव नहीं है।

"एक ही सरकार में दो बयान—यह विकास नहीं, भ्रम की राजनीति है," उन्होंने कहा।

सुधीर शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जहां भी चुनाव होते हैं, वहां हिमाचल की झूठी तस्वीर पेश कर रहे हैं, जबकि प्रदेश के अंदर हालात बिल्कुल विपरीत हैं।

"यह सरकार 'बोल कुछ, कर कुछ और दिखा कुछ' के फार्मूले पर चल रही है," उन्होंने तीखा राजनीतिक पंच किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर खुली छूट देकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है और सरकार के संरक्षण में लूट का माहौल बना हुआ है।

"ऊपर से विकास के दावे, अंदर से सिस्टम ध्वस्त—यही कांग्रेस सरकार की असली पहचान है," उन्होंने कहा।

अंत में सुधीर शर्मा ने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के अब तक के सभी बयानों और जमीनी हकीकत की तुलना करें, सच अपने आप सामने आ जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के बीच जाकर सरकार के "भ्रामक प्रचार" और "वास्तविक स्थिति" को उजागर करेगी।

प्रख्यात शिक्षाविदों ने राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता से की भेंट

प्रचण्ड समय . शिमला

राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता से प्रख्यात शिक्षाविदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज लोक भवन, शिमला में भेंट की और उच्च शिक्षा, शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा संस्थागत विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सार्थक चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप सिंह वालिया, राजकीय महाविद्यालय गुरदासपुर, पंजाब के प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार भल्ला तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के डॉ. राज कुमार सिंह शामिल थे।

शिक्षाविदों ने राज्यपाल को अपने-अपने संस्थानों में चल रही विभिन्न शैक्षणिक पहलों से अवगत करवाया तथा शोध के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करने और शैक्षिक पहुंच बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन का अनुरोध किया।

राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने में गहरी रुचि व्यक्त की और उद्योग एवं शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय, छात्रों में शोध की प्रवृत्ति तथा युवाओं के समग्र विकास पर बल दिया।

श्री गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालयों को पारंपरिक पाठ्यक्रमों से आगे बढ़कर नवाचार, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण के केंद्र के रूप में उभरना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को उद्योग से संबंधित कौशल शिक्षण, उद्यमिता को बढ़ावा देना, व्यावहारिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और व्यावसायिक शिक्षा को शैक्षणिक ढांचे में शामिल कर रोजगार क्षमता बढ़ाना समय की आवश्यकता है।

अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध - डॉ. शांडिल

प्रचण्ड समय . सोलन

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक का समावेश कर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. शांडिल आज यहां स्वयं सेवी संस्था शांडिलस इंदिरा समिति ट्रॉव एमपावरिंग रीजन (सिस्टर) तथा चिकित्सा एवं रक्त दान शिविर का शुभारंभ करने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों और स्वास्थ्य संस्थानों में तकनीकी उन्नयन के लिए 3,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी ताकि लोगों को उनके घर के समीप ही विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रदेश सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। गत तीन वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में समयबद्ध एवं गुणवत्तायुक्त सेवाएं प्रदान करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। डॉ. शांडिल ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए राज्य स्तरीय एचपीवी टीकाकरण अभियान आरम्भ किया जा चुका है। इसके तहत प्रदेश में मानकों के अनुसार 14-15 वर्ष की 67,000 लड़कियों को यह टीका लगाया जा रहा है। उन्होंने अभिभावकों, स्वास्थ्य कर्मियों सहित जन-जन से इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस कार्यक्रम को नियमित टीकाकरण अभियान में सम्मिलित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीकाकरण अभियान चिकित्सा कर्मियों की देख-रेख में पूरे प्रदेश में कार्यान्वित किया जा रहा है।

डॉ. शांडिल ने कहा कि सोलन ज़िला में भी सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 14-15 वर्ष की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए टीका लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर का कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस है और यह महिलाओं में बच्चेदानी के मुंह का कैंसर का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग गार्ड सेल 4 का टीकाकरण कर रहा है। यह वैक्सीन 169 देश में पहले से ही प्रयोग में लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि विश्व में पूरी जांच के उपरांत ही यह टीकाकरण लगाया जा रहा है और इसके कोई दुष्प्रभाव देखने में नहीं आए हैं। ज़िला में लगभग 7,000 किशोरियों को यह टीका लगाया जाएगा और अभी तक 304 किशोरियों को यह टीका लगाया जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर जरूरतमंद महिलाओं को 50 सिलाई मशीनें तथा बच्चों को कॉपियां व स्टेशनरी का सामान वितरित किया।

शांडिलस इंदिरा समिति ट्रॉव एमपावरिंग रीजन (सिस्टर) संस्था द्वारा आयोजित एलोपैथिक स्वास्थ्य शिविर में 125 रोगियों, आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर में 168 रोगियों, होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर में 75 रोगियों की स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई। स्वास्थ्य जांच शिविर में योग पद्धति के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर के दौरान 30 लोगों द्वारा रक्तदान भी किया गया।

सेवानिवृत्त कर्नल डॉ. संजय शांडिल ने इससे पूर्व मुख्यातिथि का स्वागत किया तथा संस्था के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि इस संस्था महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में लोगों तक बेहतर पहुंच के लिए कार्य करेगी।

कांग्रेस के ज़िला अध्यक्ष सुभाष चंद्र बरमानी, प्रदेश खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम निदेशक मण्डल के सदस्य जतिन साहनी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश ठाकुर, संजीव ठाकुर, अंकुश सूद, हिमाचल प्रदेश व्यापार कल्याण बोर्ड के सदस्य शोभित बहल, प्रदेश विश्वकर्मी समाज कल्याण बोर्ड के सदस्य मदन हिमाचली, उप महाअधिवक्ता रोहित शर्मा, टेक चंद शांडिल, डॉ. दीपाली, डॉ. गीतांजलि, पूनम शांडिल, ग्राम पंचायत क्वारग की पूर्व प्रधान आरती शांडिल, उपमण्डलाधिकारी कंडाघाट गोपाल चंद शर्मा, खंड विकास अधिकारी सोलन रमेश शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. अजय पाठक, ज़िला कल्याण अधिकारी सोलन विकास अरोड़ा, खंड स्वास्थ्य अधिकारी सायरी डॉ. अजय सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ..

राजगढ़ की पझौता घाटी बुरांस के फूलों सराबोर

राजगढ़ . राजगढ़ ब्लॉक की पझौता घाटी इन दिनों बुरांस के फूलों से सराबोर है। जिसका इस क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों द्वारा भरपूर लुत्फ उठाया जा रहा है । बता दें इसका वैज्ञानिक नाम रहोडोडेंड्रन है। इसके पेड़ों पर मार्च-अप्रैल के महीने में लाल व गुलाबी रंग के फूल खिलते हैं। यह पौधा अधिकांश ठंडे जहां तापमान 120 डिग्री सेल्सियस रहता है और ढलान वाली जगहों में उगता है। इसके लिए अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती है। बुरांस समुद्र तल से 1500 से 3600 मीटर की मध्यम ऊंचाई पर पाया जाने वाला वृक्ष है। इस वृक्ष की पत्तियां देखने में मोटी और फूल घंटी की तरह होते हैं। यह वृक्ष स्वतः ही जंगलों में उगता है।

गौर रहे कि हिमाचल में यह फूल भरपूर मात्रा में पाया जाता है। कुंछ जिलों में इस फूल का प्रयोग अचार, मुरब्बा और जूस के रूप में किया जाता है। ग्रामीण परिवेश के लोग बुरांस के फूलों को बाजार में बेचने को भी लाते है जोकि लोगों की आय का साधन भी बन गए है।

क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक रणजीत सिंह तोमर, प्रीतम सिंह ठाकुर ने बताया कि वैशाख की सक्रांति को बुरांस के फूलों की माला बनाकर सबसे पहले अपने कुल देवता के मंदिर तदोपंरात अपने घरों में लगाना शुभ मानते हैं । बुरांस के फूलों की चटनी बहुत ही स्वादिष्ट होती है जो कि लू और नकसीर से बचने का अचूक नुस्खा है। कुछ लोग बुरांस पंखुड़ियों को सुखाकर रख लेते हैं जिसे वर्ष चटनी व अन्य खाद्य वस्तुओं में इस्तेमाल करते हैं ।

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ0 विश्वबंधु जोशी का कहना है बुरांस के फूल औषधीय गुणों से भरपूर है जिसका विभिन्न दवाओं में उपयोग किया जाता है । बुरांस में विटामिन ए, बी-1, बी-2, सी, ई और के प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं जो की वजन बढने नहीं देते और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रखता है। बताया कि बुरांस के फूलों का शर्बत दिमाग को ठंडक देता है और एक अच्छा एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण त्वचा रोगों से बचाता है।

उदयपुर-मेवाड़ में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए बैठक आयोजित

ललित शर्मा . जयपुर

उदयपुर-मेवाड़ क्षेत्र में पर्यटन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (FHTR) द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। FHTR के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शाहपुरा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मेवाड़ के डॉ. लक्ष्यराज सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राजस्थान में बदलते पर्यटन माहौल और उसके विकास के लिए मजबूत योजना पर चर्चा हुई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाना और साथ ही राज्य की समृद्ध विरासत को सुरक्षित रखना था। FHTR ने डॉ. लक्ष्यराज सिंह के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार जताया।

इसके अलावा, दक्षिणी राजस्थान में पर्यटन को मजबूत बनाने के लिए उदयपुर में एक इंटरएक्टिव बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक में कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह राठौड़ ने पर्यटकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई और संयुक्त रणनीति अपनाने पर जोर दिया।

बैठक में कई प्रमुख संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें उदयपुर होटल एसोसिएशन, ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन और उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स शामिल थे। सभी ने मिलकर क्षेत्र में पर्यटन की चुनौतियों, नए अवसरों और सतत विकास के लिए कार्ययोजना पर चर्चा की।

राजस्थान होटल एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन के सचिव अधिराज सिंह का मानना है कि - यह बैठक उदयपुर-मेवाड़ में पर्यटन को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

गोपाल योजना के तहत 14.68 करोड़ रुपये वितरित, बेसहारा गौवंश का संरक्षण होगा सुनिश्चित

प्रचण्ड समय . शिमला

राज्य सरकार ने बेसहारा गौवंश की बढ़ती समस्या के समाधान तथा किसानों की फसलों की रक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वित्तीय वर्ष 2025दृ26 के दौरान गोपाल योजना के अंतर्गत 14.68 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई। इस राशि से राज्य में बेसहारा गायों की उचित देखभाल और आश्रय सुनिश्चित किया गया। बेसहारा पशुओं से उत्पन्न गंभीर समस्याओं, विशेषकर फसलों को होने वाले नुकसान को देखते हुए सरकार ने समस्या के समाधान की दिशा में ठोस प्रयास किए हैं। बेसहारा पशुओं के कारण फसलों को होने वाले नुकसान से किसानों को भारी आर्थिक हानि उठानी पड़ती थी, जिससे कुछ स्थानों पर किसानों को कम खेती या खेती छोड़ने तक के लिए मजबूर होना पड़ता था। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि गौवंश की देखभाल के दृष्टिगत सरकार ने महत्त्वपूर्ण पहल करते हुए पंजीकृत गौशालाओं तथा अभ्यारण्यों में गायों के रखरखाव के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इन गौशालाओं को दिया जाने वाला मासिक अनुदान 700 रुपये से बढ़ाकर 1,200 रुपये प्रति गाय किया गया है, जो 1 अक्तूबर, 2025 से प्रभावी है। यह वित्तीय सहायता हिमाचल प्रदेश गौ सेवा आयोग के माध्यम से वितरित की जा रही है, जिससे पशुओं का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित हो रहा है प्रवक्ता ने बताया कि बेसहारा गौवंश के उचित पुनर्वास से न केवल किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो रहा है बल्कि किसान पुनः खेती की ओर प्रेरित हो रहे हैं। इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी के साथ-साथ सड़क सुरक्षा में भी सुधार होगा। उन्होंने बताया कि बजट 2026दृ27 में बेसहारा गौवंश के पुनर्वास के लिए कई नए प्रावधान किए गए हैं। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने कई गौ अभ्यारण्य और बड़े गौसदनों की स्थापना की है। प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों तथा इच्छुक उद्योग समूहों को किसी भी सरकारी गौसदन या गौ अभ्यारण्य को गोद लेने की अनुमति दी जाएगी।

हमीरपुर में अभियान के तीसरे दिन 192 लड़कियों ने लगवाए एचपीवी के टीके

प्रचण्ड समय . हमीरपुर

सर्विकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) से बचाव हेतु आरंभ किए गए एचपीवी टीकाकरण अभियान के तीसरे दिन रविवार को जिले भर के 32 अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में 14-15 वर्ष आयु वर्ग की 192 लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन के टीके लगाए गए। इसके साथ ही जिला में इस अभियान के तहत टीका लगवाने वाली लड़कियों की संख्या 593 तक पहुंच गई है।

इस अभियान के शुभारंभ अवसर पर 29 मार्च को जिले भर में 206 लड़कियों का टीकाकरण किया गया था। जबकि, शनिवार को 195 लड़कियों को एचपीवी के टीके लगाए गए थे। रविवार को टीकाकरण का आंकड़ा 192 रहा।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय अत्री ने बताया कि रविवार को स्वास्थ्य खंड बड़सर में 46 लड़कियों ने टीके लगवाए। स्वास्थ्य खंड भोरंज में 25, गलोड़ में 24, नादौन में 16, टौणी देवी में 45, सुजानपुर में 22 और डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कालेज अस्पताल हमीरपुर में 14 किशोरियों का टीकाकरण किया गया।

डॉ. अजय अत्री ने बताया कि अगले रविवार यानि 12 अप्रैल को भी जिला के 32 अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में एचपीवी के टीके लगाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि प्राइवेट अस्पतालों में एचपीवी का टीका आम तौर पर दस हजार रुपये से भी अधिक कीमत पर उपलब्ध होता है, लेकिन सरकार लड़कियों को सुरक्षा चक्र प्रदान करने तथा उन्हें भविष्य में सर्विकल कैंसर से बचाने के लिए यह टीका मुफ्त लगा रही है।

उन्होंने बताया कि महिलाओं में बार-बार इनफेक्शन के कारण सर्विकल कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

सर्विकल कैंसर की शिकार लगभग 99.7 प्रतिशत महिलाओं में इसका कारण लंबे समय तक इनफेक्शन होना ही है। एक अध्ययन के अनुसार एक लाख महिलाओं में लगभग 14 महिलाएं इससे ग्रस्त पाई जाती हैं। महिलाओं में ब्रैस्ट कैंसर के बाद सर्विकल कैंसर सबसे ज्यादा पाया गया है। इस गंभीर रोग से बचाव के लिए ही एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान आरंभ किया गया है।

नादौन में मनाई स्वतंत्रता सेनानी एवं साहित्यकार इंद्रपाल और डीडी गुलजार की जयंती

प्रचण्ड समय . नादौन

महान क्रांतिकारी एवं प्रसिद्ध साहित्यकार पंडित इंद्रपाल और मशहूर शायर एवं स्वतंत्रता सेनानी डीडी गुलजार की जयंती रविवार को यहां भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग के सौजन्य से और यशपाल साहित्य परिषद के तत्वाधान में मनाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एसडीएम निशांत शर्मा उपस्थित रहे। जबकि, कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष डॉ. रत्न चंद शर्मा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों, लेखकों, साहित्यकारों एवं अन्य गणमान्य लोगों ने इंद्रपाल और डीडी गुलजार की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

दोनों विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एसडीएम निशांत शर्मा ने कहा कि नादौन की पावन धरती की दोनों विभूतियों पंडित इंद्रपाल और डीडी गुलजार के जीवन से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। एसडीएम ने इन महापुरुषों के आदर्शों का अनुसरण करने तथा नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने पर बल दिया। डॉ. रत्न चंद शर्मा तथा डॉ. ओपी शर्मा ने दोनों विभूतियों के जीवन तथा उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समस्त कवियों तथा लेखकों ने चिट्टे जैसे नशीले पदार्थ के प्रचलन पर गहरी चिंता व्यक्त की। वरिष्ठ कवि होशियार सिंह ने कहा 'चिट्टा है नाम मेरा मुझे दोषी मत ठहराना, नहीं बुलाता मैं किसी को मेरी शरण में मत आना' कविता सुनाई। नरेश पटियाल, लाल चंद ठाकुर, अशोक सोनी तथा दिलीप सिंह ने क्रांतिकारियों और देश प्रेम पर कविताएं पेश कीं। केहर सिंह मित्र ने 'गलाणा मना है', सुशील कुमारी गौत्तम ने 'कुछ लिखने को मन आतुर है मगर क्या लिखूं'। कमलेश कुमारी ने 'भूचालों में जो पैदा हुए' और डॉ. पिंकी शर्मा ने शूलिनी कॉलेज में छात्र की मौत पर कविता समर्पित की। केसर सिंह पटियाल ने कहा 'कुछ तो जमाना बिगड़ी गया', रवि दत्त ने 'परमेश्वरे दित्तया दाणा पाणी', देस राज ने 'सच को सच्चाई से कहना मुश्किल हो गया', कविता प्रस्तुत की। संतोष कुमारी, नीलम, रजनी बाला ने भी कविताएं पढ़ीं। ज्योति प्रकाश ने 'कोई नजर ना मिलाए तो नजर अंदाज किया करो', जैसी रचनाएं पेश कीं।

जिला भाषा अधिकारी संतोष पटियाल ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों और सभी साहित्यकारों का स्वागत किया तथा विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी। स्थानीय गर्ल्स स्कूल की छात्राओं कनिका व माहिका मेहरा, मोनाल पब्लिक स्कूल नादौन की छात्राओं प्रज्ञा आर्य और गीतांशी ने संस्कृत भाषा में प्रस्तुति दी। मोनाल स्कूल की चार वर्षीय छात्रा निष्ठा शर्मा ने गीता के श्लोक सुनाकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया।

इस अवसर पर स्थानीय नगर परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष शम्मी सोनी, कार्यकारी अधिकारी रमन कुमार, कमल कम्मी, संतोष संधू, संदीप जैन, योगराज, अक्षित सोनी, अंशुल, विवेक शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति, टुटू इकाई के अध्यक्ष बने हीरानन्द शांडिल

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति, टुटू इकाई का द्वितीय खण्ड सम्मेलन शोघी में आयोजित किया गया। सम्मेलन में ज्ञान विज्ञान समिति के दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए पिछले कार्यों की समीक्षा की गई और भविष्य की कार्यनीति तय की गई।

सम्मेलन का शुभारंभ राज्य सचिव सत्यवान पुण्डीर ने किया। उन्होंने समिति के उद्देश्यों और कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए बताया कि पिछले दो वर्षों में समिति ने स्वास्थ्य, युवाओं में बढ़ते नशे के संकट, शिक्षा, पर्यावरण, महिला समानता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित कीं। उन्होंने कहा कि समिति का मुख्य उददेश्य नशे के खिलाफ युवा बचाओ अभियान पर रहा है । उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन उस ऐतिहासिक स्थल शोघी में हो रहा है जहां से हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति ने 1 मार्च 1992 को मशोबरा खण्ड की 15 पंचायतों में जन सहयोग से साक्षरता अभियान शुरू किया था। बाद में इस मॉडल को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन और हिमाचल सरकार ने भी मान्यता दी।

इस अवसर पर 15 सदसीय नई खण्ड कार्यकारिणी का गठन भी किया गया, जिसमें हीरानन्द शांडिल को अध्यक्ष, देवकीनन्द शर्मा को उपाध्यक्ष, पूजा को सचिव, लीला शर्मा कोषध्यक्ष, संतोष को सह सचिव बनाया गया। इसके अलावा कमेटी में सत्या शर्मा, हेमावती, अभिषेक, रजनी, अंजू, मंजुशा, जीयानन्द शर्मा, मीना और मीरा को सदस्य चुना गया। सम्मेलन में प्रदेश की पहली नवसाक्षर स्व. चन्दू देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने प्रदेश में महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित किया और साक्षरता अभियान की ज्योति जलाई थी। इसके साथ ही स्व बाल कृष्ण शास्त्री, स्व मनसा राम शर्मा, स्व चंद्रा देवी के संगठन को बनाने के लिए योगदान को याद किया। समता उप समिति की राष्ट्रीय संयोजिका सुश्री सुमित्रा चन्देल ने पंचायत स्तर पर सदस्यता और कमेटियों के गठन पर बल दिया और संगठन की बुनियाद को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

हीरानन्द शांडिल ने समिति की दो वर्ष के कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि टुटू इकाई का गठन दो वर्ष पहले ही हुआ है। उसके बाद खण्ड इकाई ने खण्ड स्तर पर नशे के खिलाफ, कानूनी साक्षरता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रचार से सम्बन्धित गतिविधियां की।सम्मेलन में कुल 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

विधायी नेतृत्वः नीति निर्धारण में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की परिवर्तनकारी शक्ति

– श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

भारत के समक्ष एक असाधारण अवसर है—अपनी विधायिकाओं को नया आकार देने, महिलाओं के नेतृत्व को आगे बढ़ाने और एक ऐसे लोकतंत्र की रचना करने का-जो सही मायनों में अपने लोगों की शक्ति को प्रतिबिंबित करता हो। जब महिलाएँ शासन में अपना उचित स्थान ग्रहण करती हैं, तब सभी की आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर नीतियाँ बनती हैं, और राष्ट्र अधिक उद्देश्य और शक्ति के साथ आगे बढ़ता है।

सितंबर 2023 में पारित संविधान (एक सौ छठा संशोधन) अधिनियम — नारी शक्ति वंदन अधिनियम — हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक सुधारों में से एक है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनाया गया यह कानून हमारे देश के लोकतांत्रिक ढाँचे में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाने की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति को दर्शाता है।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के विजन में निहित यह ऐतिहासिक कानून, लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान करते हुए विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक साहसिक कदम है।

यह मात्र संवैधानिक प्रावधान से कहीं बढ़कर है—यह एक परिवर्तनकारी विजन का संस्थागत रूप है, जहाँ महिलाएँ केवल लोकतंत्र में भागीदारी ही नहीं करतीं, बल्कि उसके ताने-बाने को भी आकार देती हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास को दिए गए निरंतर समर्थन ने लंबे समय से चली आ रही उम्मीदों को हकीकत में बदलने की मजबूत प्रेरणा प्रदान की है।

भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को केवल अधिक महिलाओं की ही नहीं, बल्कि ऐसी महिलाओं की आवश्यकता है जिनके पास नीतिगत परिणामों को आकार देने के लिए अधिकार, क्षमता और पर्याप्त अवसर हों। वर्तमान सरकार ने पिछले एक दशक में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिससे इस विधायी परिवर्तन के लिए मजबूत आधार तैयार हुआ है। जन धन खाताधारकों में 56% से अधिक महिलाएँ हैं, जिससे वित्तीय समावेशन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिलता है।

मुद्रा योजना के लगभग 67% लाभार्थी महिलाएँ हैं, जो उद्यमिता में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत 73% से अधिक मकान महिलाओं के नाम पर हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शनों ने घरेलू जीवन स्तर में सुधार किया है।

ये सभी कदम एक स्पष्ट नीतिगत दिशा — भागीदारी के जरिए सशक्तिकरण- की ओर इंगित करते हैं हालांकि, अब ध्यान भागीदारी से आगे बढ़कर निर्णय-लेने तक पहुँचने पर केंद्रित है।

हमारे देश का अपना अनुभव एक मजबूत मानक प्रस्तुत करता है। स्थानीय स्तर पर, अब पंचायती राज संस्थाओं में चुने गए प्रतिनिधियों में से लगभग 50% महिलाएँ हैं, यानी 12 लाख से अधिक नेताओं के रूप में वे स्थानीय शासन को दिशा दे रही हैं। उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। महिला-नेतृत्व वाली स्थानीय संस्थाओं ने विकास से जुड़े जल, स्वच्छता, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य देखरेख जैसे प्रमुख मुद्दों पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है, जो दर्शाता है कि नेतृत्व में विविधता नीति निर्माण में सकारात्मक बदलाव लाती है।

अब यह प्रश्न नहीं रह गया है कि महिलाएँ प्रभावी नेतृत्व कर सकती हैं या नहीं; इसके प्रमाण पहले से मौजूद हैं। अब समय आ गया है कि भारत की उच्च विधायी संस्थाएँ महिलाओं के नेतृत्व को पूर्ण रूप से अपनाएँ और उसे बढ़ाएँ। नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने पहले ही आधार तैयार कर दिया है, जो सार्थक प्रतिनिधित्व के लिए एक मजबूत संरचनात्मक नींव प्रदान करता है। राजनीतिक दलों के पास अब इस गति को आगे बढ़ाने—उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया को नए सिरे से परिभाषित करने, चुनावी अभियान के लिए वित्तीय संसाधनों तक पहुँच का विस्तार करने तथा महिला नेताओं के लिए स्पष्ट और सशक्त मार्ग तैयार करने का जबरदस्त अवसर है। उचित सुधारों के साथ, राजनीतिक दल विधायी समावेशन को विजन से जीवंत और जीती-जागती हकीकत में परिवर्तित कर सकते हैं।

प्रचण्ड समय

सरकार संसद और राज्य विधानसभाओं में संस्थागत तत्परता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहली बार निर्वाचित होने वाले विधायकों को सशक्त नीतिगत अनुसंधान, समग्र विधायी प्रशिक्षण और मजबूत सहकर्मी नेटवर्क तक पहुँच प्रदान करके, सरकार उन आधारों में निवेश कर रही है जो बढ़ी हुई भागीदारी को अधिक प्रभावी और सटीक निर्णय-लेने में परिवर्तित करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार महिलाओं के नेतृत्व में विकास के विजन पर लगातार कार्य करती रही है, और उसने नारी शक्ति को भारत की विकास गाथा के केंद्र में स्थापित किया है। इस अधिनियम का पारित होना विधायी स्तर पर इस विजन को दर्शाता है।

यदि इस अवसर का पूर्ण लाभ उठाया जाए, तो इसकी संभावनाएँ असाधारण हैं। वास्तविक प्रभाव के साथ प्रतिनिधित्व असर को कई गुणा बढ़ा देता है। वास्तविक ताकत के साथ उपस्थिति सुधार को तेज करती है।

भारत दोनों को अपनाने के लिए तैयार है—और इससे होने वाले लाभ परिवर्तनकारी होंगे। जैसे-जैसे देश 2047 तक विकसित भारत बनने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है, इसकी विधायी संस्थाओं की शक्ति एक महत्वपूर्ण कारक होगी। महिलाओं के विधायी नेतृत्व को बढ़ाना केवल निष्पक्षता का मामला नहीं है; यह स्वयं शासन को सुदृढ़ करने के बारे में है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने वास्तविक संभावनाओं का क्षण उत्पन्न किया है। अब इस क्षण को स्थायी परिवर्तन में बदलने का अवसर और शक्ति दोनों ही राजनीतिक संस्थाओं, दलों और नीति निर्माताओं के पास मौजूद हैं।

प्रगति का असली पैमाना उन महिलाओं में दिखाई देगा, जो केवल सीटों पर बैठतीं ही नहीं, बल्कि उन्हें अधिकारपूर्वक संचालित भी करती हैं—जो साहसिक कानून तैयार करती हैं, परिवर्तनकारी एजेंडे तय करती हैं, और आने वाली पीढ़ियों के लिए शासन के स्वरूप को नया आकार देती हैं। इस बिल के लागू होने के साथ, भारत की विधायिकाओं की केवल संरचना ही नहीं बदलेंगी—बल्कि उनके उद्देश्य, शक्ति और वादे भी बदलेंगे।

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, भारत सरकार की केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

ईरान के पहाड़ों में छिपा था अमेरिकी पायलटः36 घंटे में दुश्मन के बीच से बचाया, ट्रम्प बोले- यह इतिहास का सबसे साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन

अमेरिका के F-15E फाइटर जेट के दोनों पायलट्स को 36 घंटे के भीतर ईरान से रेस्क्यू कर लिया गया। इसके मेन पायलट को शुक्रवार रात को ही बचा लिया था, जबकि एयरमैन यानी वेपन सिस्टम ऑफिसर को शनिवार रात रेस्क्यू किया गया।

अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने एयरमैन को बचाने के लिए एक खास ऑपरेशन चलाया था, जिसमें सैकड़ों अमेरिकी कमांडो शामिल थे। इन्होंने ईरान के कॉफी अंदर जाकर रेस्क्यू ऑपरेशन किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार सुबह सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, "अफसर को चोटें आई हैं, लेकिन वह पूरी तरह ठीक हो जाएगा।" ट्रम्प ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया है।

वहीं, अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, घायल अफसर तक पहुंचने के लिए अमेरिकी और ईरानी फोर्सेस के बीच करीब दो दिन तक 'जिंदगी और मौत' की दौड़ चली। हालांकि रेस्क्यू टीम को कोई नुकसान नहीं हुआ।

पैराशूट से उतरने के बाद घायल हुआ था अफसर

अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने 3 अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि ईरान ने शुक्रवार को F-15 विमान गिरा दिया था। उसमें दो लोग थे। एक मेन पायलट और एक एयरमैन यानी वेपन सिस्टम ऑफिसर (जो हथियारों को ऑपरेट करता है)।

मेन पायलट को कुछ घंटों के भीतर ही बचा लिया गया था। लेकिन एयरमैन पैराशूट से उतरने के बाद घायल हो गया। चोट लगने के बावजूद वह चलने की हालत में था। इसके बाद वह ईरान के पहाड़ी इलाके में छिप गया और वहां एक दिन से ज्यादा समय तक पकड़ से बचता रहा।

उसने अपनी SERE ट्रेनिंग (जिंदा रहना, बचना, विरोध करना और निकलना) का इस्तेमाल करते हुए कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत के कठिन पहाड़ी इलाके में खुद को छिपाए रखा।

जिस समय F-15 विमान गिरा उसी एक और अमेरिकी विमान A-10 वार्थॉग होर्मुज स्ट्रेट के पास गिर गया। उसके पायलट को भी बचा लिया गया।

CIA ने अफवाह फैलाकर ईरान को भटकाया

अमेरिका और ईरान एयरमैन को ढूंढ रहे थे। ईरान की IRGC (रेवोल्यूशनरी गार्ड) भी उसे पकड़ने के लिए वहां पहुंच गई थी।

एयरमैन को ढूंढना बहुत मुश्किल था। इसके लिए CIA ने एक चाल चली। उन्होंने ईरान के अंदर गलत जानकारी फैलाई कि अमेरिकी सेना उसे पहले ही ढूंढ चुकी है और उसे निकालने की तैयारी कर रही है। इससे ईरान की खोज की दिशा भटक गई।

इसी दौरान CIA ने अपनी खास तकनीक का इस्तेमाल करके एयरमैन की सही लोकेशन पता कर ली। यह लोकेशन पेंटागन, अमेरिकी सेना और व्हाइट हाउस को दी गई। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन का आदेश दिया।

एयरमैन के पास सिर्फ 1 पिस्तौल थी

शनिवार को स्पेशल कमांडो यूनिट ने भारी हवाई सुरक्षा के साथ ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी फोर्स को उस इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले भी किए।

घायल एयरमैन के पास सिर्फ एक पिस्तौल थी। जब अमेरिकी फोर्स उस एयरमैन तक पहुंचने लगी, तब गोलीबारी भी हुई। लेकिन अंत में अमेरिकी टीम अधिकारी को सुरक्षित निकालने में सफल रही और सभी सैनिक ईरान से बाहर आ गए।

अमेरिका के पूर्व सेना अधिकारी मेजर जनरल (रिटायर्ड) मार्क मैक्कार्ली ने CNN से कहा कि जिस इलाके में यह घटना हुई, वह पहाड़ी था और पूरी तरह सुनसान था। इसके साथ ही ईरान की तरफ से उस सैनिक को पकड़ने पर इनाम भी घोषित किया गया था।

इन सभी हालात को देखते हुए यह मिशन बेहद खतरनाक था। मैक्कार्ली ने यह भी बताया कि उस सैनिक की लोकेशन एक इमरजेंसी बीकन (सिग्नल देने वाला उपकरण) के जरिए पता चली होगी। जब फाइटर जेट गिरता है, तो यह बीकन लगातार कमांड सेंटर को लोकेशन भेजता रहता है।

पहली बार दुश्मन ने गिराया अमेरिकी फाइटर जेट

रेस्क्यू मिशन की शुरुआत शुक्रवार को हुई, जब F-15E स्ट्राइक ईगल विमान को ईरान की सेना ने मार गिराया। यह इस एक महीने से चल रही जंग में पहला मौका था, जब किसी अमेरिकी फाइटर जेट को दुश्मन की फायरिंग से गिराया गया।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, एयरमैन को अपनी रेस्क्यू टीम तक पहुंचने के लिए बहुत जोखिम भरा कदम उठाना पड़ा। हालांकि, इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जब यह एयरमैन करीब 36 घंटे तक ईरान के पहाड़ी इलाके में छिपा रहा, तब अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन ने उन ईरानी लोगों पर फायरिंग की, जो उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। यह जानकारी ऑपरेशन से जुड़े अधिकारियों और सूत्रों के हवाले से दी गई है।

जर्नल के अनुसार, इस रेस्क्यू मिशन के दौरान दर्जनों अमेरिकी विमान कमांडो टीम को सुरक्षा दे रहे थे, जो तेजी से अंदर जाकर एयरमैन को निकालकर ले आई। हालांकि, जमीन पर अमेरिकी फोर्स को ज्यादा बड़ा विरोध नहीं झेलना पड़ा।

अमेरिका ने निकलने से पहले अपने दो विमान जलाए

प्रचण्ड समय

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान से एक बचाए गए अमेरिकी एयरमैन और कमांडो को निकालने वाले दो ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए थे। इसके बाद अमेरिका को तीन नए विमान भेजने पड़े, ताकि एयरमैन और सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।

रिपोर्ट के अनुसार, बाद में अमेरिकी सेना ने उन फंसे हुए ट्रांसपोर्ट विमानों को उड़ा दिया, ताकि वे ईरान के हाथ न लगें। ईरान के अंदर से आई तस्वीरों से संकेत मिलता है कि ये विमान एक अस्थायी एयरस्ट्रिप पर फंस गए थे, जिसे अमेरिकी सेना ने देश के एक दूरदराज इलाके में बनाया था।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इस पूरे रेस्क्यू मिशन में सैकड़ों स्पेशल ऑपरेशंस सैनिक शामिल थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बचाए गए वेपन्स ऑफिसर को रेस्क्यू के बाद इलाज के लिए कुवैत ले जाया गया।

ट्रम्प बोले- पहली बार एक साथ दो सफल रेस्क्यू ऑपरेशन हुए

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि इस सैनिक को बचाने के लिए अमेरिकी सेना ने दर्जनों विमान भेजे, जिनमें दुनिया के सबसे खतरनाक हथियार लगे थे। उन्होंने बताया कि सैनिक घायल जरूर हुआ है, लेकिन वह ठीक हो जाएगा।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि यह ऑपरेशन एक और पायलट के सफल रेस्क्यू के बाद हुआ, जिसे एक दिन पहले बचाया गया था। उस समय इसकी जानकारी इसलिए नहीं दी गई थी, ताकि दूसरे ऑपरेशन पर खतरा न आए।

ट्रम्प के मुताबिक, सैन्य इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि दुश्मन के इलाके के अंदर, दो अमेरिकी पायलटों को अलग-अलग ऑपरेशन में सुरक्षित निकाला गया है।

उन्होंने कहा कि यह साबित करता है कि अमेरिका का ईरान के आसमान पर पूरा दबदबा है, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि F-15 जेट को ईरान ने कैसे मार गिराया। ट्रम्प ने इस ऑपरेशन को पूरे अमेरिका के लिए गर्व का पल बताया और कहा कि देश को इस पर एकजुट होना चाहिए।

पाकिस्तान की भारत को धमकी-अगला संघर्ष सीमा तक नहीं रहेगाःरक्षा मंत्री आसिफ बोले- हम कोलकाता तक पहुंचेंगे और उनको घर में घुसकर मारेंगे

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए भारत को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत कोई फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन (छिपकर हमला) करता है, तो इस बार संघर्ष सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है।

ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि भारत अपने लोगों या हिरासत में बंद पाकिस्तानियों का इस्तेमाल करके झूठा ड्रामा रचने की योजना बना रहा है। पिछले साल की तरह इस बार भारत को और ज्यादा शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा।

आसिफ ने आगे ये भी कहा कि शवों को कहीं रखकर पाकिस्तान पर आतंकवाद का आरोप लगाया जा सकता है, लेकिन उन्होंने (भारत ने) इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया।

भारतीय रक्षा मंत्री बोले थे- पाकिस्तान ने गंदा खेल खेला तो जवाब देंगे

ख्वाजा आसिफ के इस बयान पर भारत की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरलम में एक कार्यक्रम में पाकिस्तान को साफ चेतावनी दी थी।

उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान फिर कोई गलत कदम उठाएगा तो भारतीय सेना निर्णायक जवाब देगी। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और अगर पाकिस्तान ने दोबारा गंदा खेल खेला तो भारतीय सैनिक ऐसा जवाब देंगे जो वे कभी नहीं भूलेंगे।

भारत पर प्रॉक्सी वॉर चलाने का आरोप लगा चुके ख्वाजा आसिफ

ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में कहा था कि भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और काबुल की सोच एक जैसी है।

आसिफ ने कहा जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान अफगानिस्तान में दोबारा कार्रवाई कर सकता है। अगर अफगानिस्तान की ओर से शांति की कोई ठोस गारंटी नहीं मिलती है, तो पाकिस्तान वहां नए हमले करने से पीछे नहीं हटेगा।

आसिफ ने यह भी कहा कि भारत के साथ युद्ध की संभावना अभी भी खत्म नहीं हुई है।

पूर्व पाक उच्चायुक्त मुंबई और दिल्ली पर हमले की बात कह चुके

इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने भी विवादास्पद बयान दिया था। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला कर दे तो पाकिस्तान को बिना एक पल सोचे मुंबई और नई दिल्ली पर हमला कर देना चाहिए।

बासित ने कहा, "अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है तो हम अमेरिका तक नहीं पहुंच सकते क्योंकि वह हमारे न्यूक्लियर रेंज में नहीं है। ऐसे में हमारा क्या विकल्प होगा? भारत। बाद में जो होगा देख लेंगे।"

उन्होंने यह भी कहा कि यह सबसे खराब स्थिति है, जो संभव नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान पर कोई खतरा मंडराए तो भारत पर हमला करना पाकिस्तान के पास विकल्प होगा।

पहलगाम हमले से बढ़ा तनाव

22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया।

पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई में आर्टिलरी, ड्रोन और मिसाइल का इस्तेमाल किया। दोनों देशों के बीच चार दिन तक तनाव रहा, जिसके बाद 10 मई 2025 को सीजफायर हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए थे

भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी।

सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया था। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था।

प्रचण्ड समय

सूर्य के उच्च होते ही चमक जाएगा आपका भाग्य, इस मुहूर्त में जरूर करें स्नान-दान

ज्योतिष शास्त्र में मेष संक्रांति का विशेष महत्व माना गया है, क्योंकि इस दौरान सूर्य देव अपनी सबसे उच्च राशि यानी मेष में प्रवेश करते हैं। जब सूर्य मेष राशि में होते हैं, तो उनकी ऊर्जा चरम पर होती है।

साथ ही मेष संक्रांति, सौर नववर्ष का आगाज भी है, जिसपर खरमास की समाप्ति होती है। चलिए पढ़ते हैं मेष संक्रांति पर स्नान-दान का महुर्त क्या रहने वाला है। साथ ही जानते हैं कि इस दिव्य ऊर्जा का लाभ उठाने के लिए आप कौन-कौन से कार्य कर सकते हैं।

मेष संक्रांति शुभ मुहूर्त

मेष संक्रांति का क्षण - सुबह 9 बजकर 39 मिनट पर

मेष संक्रांति पुण्य काल - सुबह 5 बजकर 57 मिनट से दोपहर 1 बजकर 55 मिनट तक

मेष संक्रांति महा पुण्य काल - सुबह 7 बजकर 30 मिनट से सुबह 11 बजकर 47 मिनट तक

इस तरह करें दिन की शुरुआत

मेष संक्रांति पर दिन की शुरुआत किसी पवित्र नदी जैसे गंगा या यमुना में स्नान से करें। अगर यह संभव न हो, तो आप घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान कर सकते हैं।

इसके बाद तांबे के लोटे में जल, लाल फूल, अक्षत, कुमकुम व रोली डालें और सूर्य देव को अर्घ्य दें। अर्घ्य देते समय ॐ सूर्याय नमः व "ॐ घृणि सूर्याय नमः" मंत्र का जप करें।

यदि आप ऑफिस की राजनीति, करियर की बाधाओं या आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे हैं, तो 'आदित्य हृदय स्तोत्र' का पाठ भी जरूर करें।

इस दिन को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भी उत्तम माना गया है। ऐसे में इस तिथि पर तर्पण या श्राद्ध कर्म जरूर करें।

मिलता है 100 गुना फल

मेष संक्रांति के साथ ही 'खरमास' की समाप्ति भी होती है और मांगलिक कार्यों के द्वार खुल जाते हैं। हालांकि, संक्रांति के पुण्य काल तक इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है -

मेष संक्रांति के बाद विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य शुरू किए जा सकते हैं।

मेष संक्रांति पर सत्तू और मिट्टी के घड़े का दान जरूर करें। यह दान धार्मिक रूप से शुभ माना गया है।

अपनी क्षमतानुसार गरीबों को धन और अन्न दान करें, क्योंकि संक्रांति पर किए गए दान का 100 गुना फल मिलता है।

भूल से भी न करें इस तरह का दान

मेष संक्रांति पर आपको दान का पुण्य फल तभी मिल सकता है, जब आप कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखें।

इस दिन पर फटे-पुराने कपड़ों व जूतों आदि का दान नहीं करना चाहिए। इससे आपको शुभ की जगह अशुभ परिणाम भी झेलने पड़ सकते हैं। वहीं अगर आप भोजन का दान कर रहे हैं, तो वह पूरी तरह से सात्विक होना चाहिए और जूठा नहीं होना चाहिए, वरना इससे भी आपको दान का पुण्य फल नहीं मिलता।

वैशाख माह में किए गए ये काम जीवनभर देते हैं शुभ फल, यूं ही नहीं कहलाता 'पुण्य प्राप्ति का मास'

वैशाख का महीना 3 अप्रैल से शुरू हो चुका है, जो 1 मई 2026 तक चलेगा। वैशाख माह को हिंदू धर्म में आध्यात्मिक उन्नति, आत्म-शुद्धि और परोपकार का महीना माना जाता है। इसे माधव मास भी कहा जाता है, जो भगवान विष्णु की आराधना के लिए समर्पित है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि आपको इस माह में किन कार्यों से भगवान विष्णु की विशेष कृपा मिल सकती है।

पुण्यकारी माना गया है ये काम

पुराणों में वैशाख मास में जल का दान करना सर्वोपरि माना गया है। ऐसे में आप इस महीने में राहगीरों के लिए प्याऊ लगवा सकते हैं। ऐसा करने से साधक को सभी तीर्थों के दर्शन और समस्त दानों का सम्मिलित पुण्य प्राप्त होता है।

मिलता है सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

वैशाख में रोजाना सूर्योदय से पहले किसी पवित्र नदी, सरोवर में स्नान करें। यदि यह संभव न हो, तो घर पर ही नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। साथ ही इस महीने पितरों के निमित्त तर्पण करना अत्यंत फलदायी है। इससे जातक को पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

मिलती है भगवान विष्णु की कृपा

वैशाख माह में श्री हरि विष्णु की पूजा में उन्हें पंचामृत का भोग जरूर लगाएं। भोग में तुलसी का पत्ता डालना न भूलें। रोजाना सुबह-शाम तुलसी के पौधे के पास गाय के घी का दीपक जलाएं और जल अर्पित करें (रविवार और एकादशी को छोड़कर)।

इससे साधक को भगवान विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी कृपा मिलती है। साथ ही आप गर्मी में तुलसी के पौधे की रक्षा और विशेष पुण्य के लिए उसके ऊपर एक छोटा घड़ा (गलंतिका) बांध सकते हैं, जिसमें से बूंद-बूंद पानी पौधे पर गिरता रहे। तुलसी पर बांधी गई गलंतिका शीतलता और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखी जाती है।

इन वस्तुओं का जरूर करें दान

वैशाख के महीने में आप पानी से भरे मटके या मिट्टी के मटके का दान कर सकते हैं। इस महीने में सत्तू और मौसमी फलों जैसे तरबूज-खरबूजा आदि का दान करना भी शुभ माना जाता है।

वैशाख में आप छाते और हाथ से झलने वाले पंखे जैसी चीजों का दान करके भी लाभ प्राप्त कर सकते हैं। वैशाख में नंगे पैर चलने वालों को जूते-चप्पल का दान करने से भी आपको विशेष कृपा मिलती है।

किस एकादशी को करने से मिलता है क्या वरदान? पढ़ें साल की 24 तिथियों का महत्व

देवी एकादशी को भगवान विष्णु की योग माया माना जाता है। ऐसे में एकादशी की तिथि पर विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा की जाती है।

एक माह में दो बार एकादशी का व्रत किया जाता है, एक बार शुक्ल पक्ष में और दूसरा कृष्ण पक्ष में। भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए एकादशी व्रत का विशेष महत्व माना गया है।

चलिए पढ़ते हैं साल की 24 एकादशियों का महत्व।

24 एकादशी का महत्व

सफला – इस एकादशी का व्रत करने से कार्यों में सफलता प्राप्त होती है और भाग्य में वृद्धि होती है।

पुत्रदा – इस एकादशी का व्रत करने से संतान प्राप्ति में आ रही बाधाएं दूर होती हैं और वंश की वृद्धि होती है।

षटतिला – षटतिला एकादशी पर तिल का विशेष महत्व है। इस व्रत को करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

जया – यह एकादशी प्रेत योनि से मुक्ति दिलाती है। इस व्रत को करने से भूत-प्रेत और नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा होती है।

विजया – इस एकादशी को करने से हर कठिनाई और शत्रु पर विजय मिलती है। साथ ही कार्यों में भी सफलता मिलती है।

आमलकी – इस एकादशी पर भगवान विष्णु के साथ-साथ आंवले के पौधे का भी पूजन किया जाता है। इस व्रत को करने से 100 गायों के दान के बराबर पुण्य।

पापमोचनी – जैसे कि नाम से ही स्पष्ट है, यह एकादशी साधक के पापों का नाश करती है। इस दिन व्रत करने से अनजाने में हुए पापों का नाश होता है और मन शुद्ध होता है।

कामदा – यह एकादशी मनोकामनाओं को पूरा करने वाली मानी गई है।

वरुथिनी – यह एकादशी भगवान विष्णु के वराह अवतार को समर्पित है। इस व्रत को करने से सौभाग्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मोहिनी – यह एकादशी भगवान विष्णु के 'मोहिनी' अवतार को समर्पित है। इस व्रत को करने से साधक को मोह-माया से मुक्ति मिलती है।

अपरा – यह एकादशी ब्रह्महत्या, परनिंदा और प्रेत योनि जैसे घोर पापों का नाश कर मोक्ष प्रदान करती है।

निर्जला – इसे भीमसेनीय एकादशी भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन निर्जला व्रत करने से चौबीस एकादशी व्रतों का फल मिलता है।

योगिनी – यह एकादशी साधक को रोगों से मुक्ति दिलाती है और स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है।

देवशयनी – इस एकादशी से भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं, जिसके बाद चातुर्मास की शुरुआत होती है।

कामिका – कामिका एकादशी का व्रत करने से साधक को वाजपेय यज्ञ के समान फल मिलता है।

पुत्रदा – संतान प्राप्ति और सुख-समृद्धि के लिए पुत्रदा एकादशी का विशेष महत्व माना जाता है।

अजा – अजा एकादशी भाग्य को जगाने वाली और कष्टों का नाश करने वाली है। इस व्रत के प्रभाव से ही राजा हरिश्चंद्र को खोया हुआ राज्य वापस मिला था।

परिवर्तिनी – इस एकादशी का संबंध योग निद्रा के दौरान भगवान विष्णु के करवट लेने से है। इस व्रत को करने से सुख-समृद्धि आती है।

इंदिरा – पितरों को मोक्ष दिलाने के लिए इंदिरा एकादशी का विशेष महत्व है। इस व्रत को करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

पापांकुशा – इस व्रत को करने से पापों का नाश और उत्तम लोक की प्राप्ति होती है। साथ ही साधक को सुख-समृद्धि और मोक्ष भी मिलता है।

रमा – इस व्रत को 'कामधेनु' के समान फलदायी माना जाता है, जो भक्तों की हर मनोकामना पूरी करता है। यह व्रत आर्थिक समृद्धि, सुख-सौभाग्य प्रदान करता है।

देवउठनी – यह एकादशी भगवान विष्णु के चार महीने की योग निद्रा से जागने का प्रतीक है, जिसके बाद शुभ व मांगलिक कार्य शुरू होते हैं।

उत्पन्ना – इस दिन मुर नामक राक्षस का वध करने हेतु देवी एकादशी प्रकट हुईं थीं।

मोक्षदा – मान्यताओं के अनुसार, इस दिन वैकुण्ठ द्वार खुला रहता है और जो भी भक्त इस व्रत को करता है, उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए इसे वैकुंठ एकादशी भी कहा जाता है।

ओमैक्स पार्कवुड रेजिडेंट सोसायटी द्वारा आयोजित शिविर में 102 ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

प्रवीण शर्मा . बीबीएन

औद्योगिक क्षेत्र बीबीएन की सबसे पॉश रेजिडेंशियल कॉलोनी में ओमैक्स रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन द्वारा ओमैक्स क्लब में आयोजित रक्तदान शिविर का विधिवत शुभारंभ पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी ने किया। उन्होंने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए सफल रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए बधाई दी व प्रधान जसविंदर लक्की की पीठ थपथपाई। पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी ने कहा के रक्तदान से बड़ा कोई महादान नहीं ओर हर स्वस्थ व्यक्ति को साल में 4 बार रक्तदान करना चाहिए।

श्री गुरु हरकृष्ण साहिब चेरिटेबल ट्रस्ट सोहाना की टीम ट्रस्ट के इंचार्ज रितेश गुलाटी की अगुवाई में हरमन जोत, हरदीप सिंह, दिवाकर कुमार, अगमजोत कौर, अरमान जोत कौर, रवनीत कौर, हर्षप्रीत कौर की टीम ने रक्त एकत्रित किया। शिविर में ओमैक्स पार्कवुड सोसायटी के 102 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया, वहीं रक्तदान करने में सोसायटी की महिलाओं ने भारी उत्साह दिखाया।

ओमैक्स रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रधान जसविंदर सिंह लक्की व महासचिव देवेंद्र चौधरी ने बताया कि ओमैक्स के चुनाव के बाद सोसायटी द्वारा पहला रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें ओमैक्स के 102 स्वयंसेवकों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। जसविंदर लक्की ने कहा कि भविष्य में भी समाज ओर मानवता के सेवा के लिए ओमैक्स रेजिडेंट सोसायटी अपने प्रयास जारी रखेगी।

रक्तदान शिविर में जिला पुलिस कप्तान विनोद धीमान व डीएसपी बद्दी योगराज चंदेल विशेषतौर पर शिरकत कर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। वहीं शिविर के दौरान सैम मेडिटेक द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर के साथ साथ निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। इस मौके पर पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी के साथ ओमैक्स के प्रधान जसविंदर धुन्ना लक्की, महासचिव देवेंद्र चौधरी, समाजसेवी राज कुमार चौधरी, संजय राय, राज संधू, बलबीर ठाकुर, लोकेश दत्ता, तरसेम चौधरी, राम रत्न चौधरी, संजीव कुंडल्स, अम्बरीश शर्मा, संजय पटियाल, संजय शर्मा, नवीन शर्मा, राहुल कुमार, उधमी संजीव शर्मा, अंशुमन उप्पल, अखिल दीक्षित, सुनील पांडे, मुकेश सिंगला, अनिल बल्याण, प्रणय बत्तरा, पुनीत गर्ग, मनीष तिवारी, पुकलित, अरविंद गौतम, सोमवीर, शिव वर्मा, राजू यादव, नरेंद्र चौधरी, एडवोकेट विवेक ठाकुर, नवीन शर्मा, प्रदीप दूबे, शिवम मिश्रा, सचिन बैंसल, निर्मल सिंह समेत अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

ओमैक्स के शिविर में इन्होंने किया स्वैच्छिक रक्तदान

ओमैक्स पार्कवुड रेजिडेंट वेल्फेयर सोसायटी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में विवेक गौतम, अर्जुन सिंह, चूड़ा राम, नवीन, निशा गुप्ता, शीतल पटेल, सीमा देवी, ममता चौधरी, गीतांजली धुन्ना, डिंपल शर्मा, निशा जयसवाल, रश्मि दुबे, अनामिका सिंह, पूनम शर्मा, कपिल शर्मा, अरविंद गौतम, मनीष, अनिल, राजीव, शिवम मिश्रा, पुनीत गर्ग, सुनील पांडे, अशोक कुमार, मनोज, राजू, रवि मित्तल, हर्ष पुरी, वरुण अग्रवाल, राजू कुमार, देवेंद्र चौधरी, गनपत राणा, गुलशन, आयुष, प्रवीण बत्तरा, अंकित, निशार, मनीष, हरीश, अमन, लोकेश दत्ता, सुनील नेगी, संजय, सागर, दीपक, संजय पटेल, रविन्द्र, हरदीप, कुलविंदर, वीरेन्द्र, राहुल, सोमवीर, मोहित गोयल, अनिल, हरदेव, रंजीत, नवीन शर्मा समेत कुल 102 स्वंयसेवकों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को ओमैक्स पार्कवुड रेजिडेंट वेल्फेयर सोसायटी द्वारा स्मृति चिन्ह, उपहार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

न्यूज ब्रीफ..

केंद्रीय सरकार दवाओं के कच्चे माल की जमाखोरी के खिलाफ व्यापक अभियान चलाए: सुमित

प्रवीण शर्मा, बददी . मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के दौरान जमाखोरी के कारण भारतीय फार्मा सेक्टर में भारी उथल-पुथल मच गई है। देश का फार्मा उद्योग अब गंभीर संकट का सामना कर रहा है और कई इकाइयां बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं।

बीबीएन क्षेत्र से मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय फार्मा उद्योग, जिसने हाल ही में फरवरी माह तक लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये के वैश्विक निर्यात का रिकॉर्ड बनाया था, अब जमाखोरी और कच्चे माल की कमी के चलते गंभीर संकट में आ गया है।पश्चिम एशिया में ईरान यूनाइटेड स्टेट्स टेंशन्स के कारण बढ़ते युद्ध और तनाव ने वैश्विक सप्लाई चेन पर असर डालना शुरू कर दिया है, जिसका सीधा प्रभाव फार्मा सेक्टर पर पड़ सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार कच्चे माल (ए पी आई) की आपूर्ति बाधित होने से दवाओं की कमी और कीमतों में भारी वृद्धि (ब्लैक मार्केटिंग) का खतरा बढ़ गया है।

दूसरी ओर, कई ए बी आई निर्माता और ट्रेडर्स जानबूझकर दवाओं और पैकेजिंग सामग्री का स्टॉक जमा कर रहे हैं, जिससे बाजार में कृत्रिम कमी पैदा हो रही है।

इस जमाखोरी और कालाबाजारी के कारण फार्मा इंडस्ट्री और मार्केटिंग कंपनियों पर सीधा दबाव पड़ रहा है, और कई फैक्ट्रियां बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं।

आई डी एम ए के वरिष्ठ पदाधिकारी और एफ आई आई के वाइस प्रेसिडेंट सुमित सिंगला ने बताया कि सरकार ने ऐसे ए पी आई निर्माताओं और ट्रेडर्स पर निगरानी शुरू कर दी है।

उन्होंने जे पी नड्डा और केंद्र सरकार से मांग की है कि युद्ध से पहले उपलब्ध सभी ए पी आईऔर पैकेजिंग स्टॉक का ऑडिट और क्रॉस-चेक किया जाए, ताकि कृत्रिम कमी पैदा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सके।

सुमित सिंगला ने यह भी कहा कि युद्ध के कारण शिपिंग मार्ग प्रभावित होने से कच्चे माल की लागत बढ़ सकती है, जिससे भारतीय दवा कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ेगा।

हालांकि कीमतों में सीमित वृद्धि की उम्मीद थी, लेकिन कई उत्पादों के दाम 30% से लेकर 200% तक बढ़ चुके हैं, जो कोविड-19 के समय भी नहीं देखा गया था।

इस स्थिति का असर प्रमुख भारतीय कंपनियों जैसे सन फार्मास्टिकल इंडस्ट्रीज, डीवीस लेबोरेटरीज और डा रेड्डी लेबोरेटरीज पर भी पड़ा है, जिनके शेयरों में 2–5% तक गिरावट दर्ज की गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध और ट्रेड बाधाओं के कारण निर्यात प्रभावित हो सकता है।

इसके अलावा, अमेरिका में ब्रांडेड और पेटेंट दवाओं पर 100% तक टैरिफ लगाने की संभावित चर्चा ने भारतीय फार्मा सेक्टर में चिंता और बढ़ा दी है।

कुल मिलाकर, युद्ध, सप्लाई चेन बाधा और कालाबाजारी के कारण दवाओं की भारी कमी और कीमतों में तेज वृद्धि की आशंका बनी हुई है, जिसका सीधा असर आम जनता और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ सकता है।

मतदाता सूचियों में नाम सम्मिलित करने के लिए संशोधित अधिसूचना जारी

सोलन . ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने मतदाता सूचियों में पात्र मतदाताओं के नाम सम्मिलित करने के लिए संशोधित कार्यक्रम की अधिसूचना जारी की है। यह कार्यक्रम केवल उन्हीं पंचायती राज संस्थाओं पर लागू होगा जो ग्राम सभा अथवा शहरी स्थानीय निकायाओं के सृजन, पुनर्गठन अथवा विभाजन के कारण प्रभावित हुई हैं।

कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूचियों का प्रारूप 04 अप्रैल, 2026 को प्रकाशित कर दिया गया है। पुनरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करने की तिथि 13 अप्रैल, 2026 निर्धारित की गई है। संशोधन प्राधिकारी द्वारा दावों और आपत्तियों का निपटारा 17 अप्रैल, 2026 तक किया जाएगा। अधिसूचना के अनुसार अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील 24 अप्रैल, 2026 तक प्रस्तुत करनी होगी। अपीलों का निपटारा अपीलीय प्राधिकारी द्वारा अपीलों का निपटारा 27 अप्रैल, 2026 तक किया जाएगा।

भ्रष्टाचार को रोकने के लिए भाषण नहीं बल्कि खुद को भ्रष्टाचार से दूर रखने की आवश्यकता

ठाकुर हेमराज राणा . सिरमौर

आज अगर भ्रष्टाचार जैसे गंभीर और चुनौतीपूर्ण समस्या पर चर्चा एवं विश्लेषण करने का प्रयास करते हैं तो निसंदेह दिन प्रतिदिन स्थिति और गंभीर होती जा रही है जिस प्रकार देश-भर में आए दिन किसी न किसी क्षेत्र में भ्रष्टाचार के मामले मिडिया के माध्यम से जनता के सामने आते हैं,जिस भ्रष्टाचार को रोकने के लिए मानों सरकार भी जैसे बैबस नजर आती है अन्यथा स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती, क्षेत्र समाज के बुद्धिजीवियों और ईमानदार,कर्तव्यनिष्ठ शख्सियतों के अनुभव अनुसार इस गंभीर विषय पर मानना है कि समाज को भ्रष्टाचार पर भाषणों का कोई विशेष प्रभाव देखने एवं सुनने को नहीं मिलता है,अगर हम आप क्षेत्र समाज और देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में अपनी आहुति देना चाहते हैं तो फिर खुद को भ्रष्टाचार से दूर रहने और अपने जीवन में ईमानदारी,कर्तव्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों पर चलने की आवश्यकता है तभी हम क्षेत्र समाज में भ्रष्टाचार पर अपने बहुमूल्य सुझाव और जागरूक कर सकते हैं,अन्यथा ऐसे अनेकों उदाहरण देखने एवं सुनने को मिलते हैं जो भ्रष्टचार पर बड़े-बड़े भाषण और प्रवचन देते नज़र आते हैं परन्तु खुद की कार्यपद्धति भ्रष्टाचार में संलिप्त पाई जाती हैं,इस प्रकार भ्रष्टाचार को रोकने की शुरुआत हम आपको शायद खुद से ही करनी पड़ेगी तभी संभव है कि भविष्य कोई सकारात्मक कदम और युवा पीढ़ी को जागरूक और प्रेरित करने में हम आप सफ़ल हो पाएं, क्योंकि आज के दौर में हर व्यक्ति में आत्मसंतुष्टि की भी एक बड़ी कमी नजर आती है क्योंकि अगर हम अपने जीवन में अपने आय अनुसार आत्मसंतुष्ट नहीं होते हैं तो फिर किसी न किसी रूप से अनैतिक कार्य के कारण भ्रष्टाचार को अंजाम देने से भी गुरेज नहीं करते हैं और अपने गलत आचरणों के कारण समाज में भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है जिससे कि युवा पीढ़ी भी प्रभावित होती है,इस प्रकार आज मिडिया बन्धुओं के माध्यम से छोटा सा सुझाव और जनहित और देशहित में आग्रह रहेगा कि अगर हम अपने क्षेत्र समाज और देश को भ्रष्टाचार मुक्त देखना चाहते हैं तो अपने जीवन में नैतिक मूल्यों,ईमानदारी,कर्तव्यनिष्ठा और जीवन में आत्मसंतुष्टि होना अतिआवश्यक है।अन्यथा जिस प्रकार आए दिन राजनेता,अधिकारी, इत्यादि अनेकों व्यकित्व भ्रष्टाचार को रोकने के लिए भाषणों के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास करते हैं जिस भ्रष्टाचार को रोकने के लिए हम सभी देशवासियों और विशेषकर देश के युवाओं को नैतिक मूल्यों, संस्कारों, ईमानदारी और जीवन में आत्मसंतुष्ट होना अनिवार्य माना जाता है।

'मिशन 32 प्रतिशत': वन विस्तार की ओर बढ़ते कदम

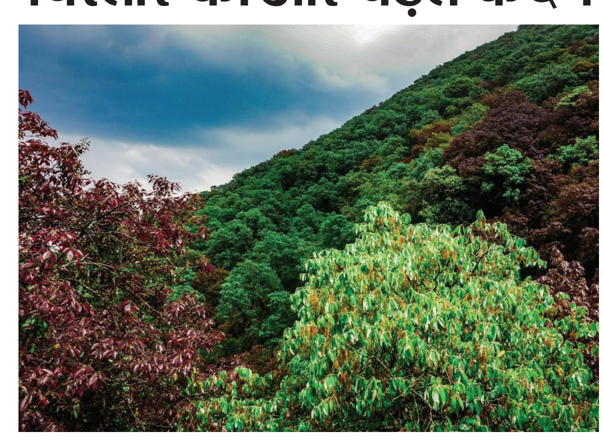

प्रचण्ड समय . शिमला

प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में एक दूरदर्शी और महत्त्वाकांक्षी पहल के रूप में 'मिशन 32 प्रतिशत' की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में इस मिशन के तहत वर्ष 2030 तक राज्य के वन आवरण को 29.50 प्रतिशत से बढ़ाकर 32 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह निर्णय ''हिमाचल को हरित हिमालय राज्य बनाने की दिशा में एक बड़ा निर्णय है'' और इससे जैव विविधता बढ़ेगी। यह लक्ष्य केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने, पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और सतत विकास सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

हिमाचल में वनावरण को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार ने गत तीन वर्षों में कई अभिनव पहल की हैं, जो वन विस्तार, संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी को एकीकृत करती हैं। इनमें मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इस योजना का उद्देश्य बंजर और अनुपयोगी पहाड़ियों को हरित आवरण में बदलना है। इस योजना के पहले वर्ष में ही लगभग 600 हेक्टेयर बंजर भूमि पर पौधरोपण किया जा चुका है। इस योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से वन भूमि पर पौधरोपण किया जा रहा है, जिसमें 60 प्रतिशत पौधे फलदार प्रजातियों के शामिल हैं। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए भविष्य में आय के स्रोत भी सृजित हो रहे हैं।

इसी क्रम में राजीव गांधी वन संवर्धन योजना वन क्षेत्र के पुनर्जीवन की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस योजना के तहत वन भूमि पर बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जा रहा है और पौधों की देखभाल के लिए विशेष वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। लोगों और संस्थाओं को प्रति हेक्टेयर एक लाख 20 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे पौधरोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण और जीवितता दर सुनिश्चित की जा सके। यह योजना स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों और युवाओं के माध्यम से धरातल पर उतारी जा रही है जिससे उन्हें रोजगार भी उपलब्ध हुआ है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

सरकार ने हरित विकास को जन-आंदोलन का रूप देने के लिए ग्रीन एडॉप्शन योजना भी शुरू की है। इस योजना के तहत निजी उद्यम, कंपनियां और गैर-सरकारी संगठन बंजर वन भूमि को गोद लेकर वहां पौधरोपण और संरक्षण कार्य करेंगे। यह पहल कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी को प्रोत्साहन प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। इससे सरकारी संसाधनों पर निर्भरता कम होती है और बड़े स्तर पर हरित परियोजनाओं को गति मिलती है।

इन सभी पहलों का समेकित प्रभाव राज्य को 'ग्रीन हिमाचल' की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। वन आवरण में वृद्धि के साथ-साथ जैव विविधता संरक्षण, जल स्रोतों की सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी मदद मिल रही है।

बजट 2026-27 में 'मिशन 32 प्रतिशत' को केंद्र में रखना और वनों के संरक्षण और संवर्धन के लिए अन्य कदम व नीतियां स्पष्ट करती हैं कि हिमाचल प्रदेश सरकार विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को संबल प्रदान कर रही है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध पर्यावरण की नींव भी है।

एंट्री टैक्स से हिमाचल की अर्थव्यवस्था और पर्यटन को बड़ा झटका—कांग्रेस सरकार की नीतियां फेल : हर्ष महाजन

प्रचण्ड समय . शिमला

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए एंट्री टैक्स को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह निर्णय पूरी तरह जनविरोधी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाला है।

उन्होंने कहा कि दूनि बॉर्डर पर करीब 6 घंटे तक लगा जाम, जिसमें 150 से अधिक ट्रक और सैकड़ों वाहन फंसे रहे, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सरकार के फैसले जमीन पर पूरी तरह फेल हो चुके हैं।

हर्ष महाजन ने कहा कि हिमाचल की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पर्यटन और परिवहन पर आधारित है, जहां हर साल करीब 2-3 करोड़ पर्यटक प्रदेश में आते हैं। ऐसे में एंट्री टैक्स जैसे फैसले पर्यटन उद्योग को सीधे प्रभावित करेंगे और प्रदेश की आय पर नकारात्मक असर डालेंगे।

उन्होंने कहा कि पहले ही हिमाचल प्रदेश पर 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज हो चुका है और सरकार अपनी आर्थिक विफलताओं को छिपाने के लिए जनता पर नए-नए टैक्स थोप रही है।

महाजन ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा जवाबी टैक्स लगाने की चेतावनी बेहद गंभीर है। यदि ऐसा होता है तो रोजाना हजारों वाहनों की आवाजाही प्रभावित होगी और व्यापार पर करोड़ों रुपये का असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि एंट्री टैक्स के कारण ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ेगी, जिसका सीधा असर आम जनता पर महंगाई के रूप में पड़ेगा। फल, सब्जी, सीमेंट और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी तय है।

अंत में उन्होंने मांग की कि प्रदेश सरकार तुरंत एंट्री टैक्स का निर्णय वापस ले, अन्यथा भाजपा प्रदेशभर में इस जनविरोधी फैसले के खिलाफ आंदोलन को और तेज करेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा जनता, व्यापारियों और परिवहन से जुड़े लोगों के साथ खड़ी है और उनके हितों के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी।

स्लिम एयर डिज़ाईन और 7000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी के साथ रियलमी 16 5जी भारत में लॉन्च हुआ

प्रचण्ड समय . शिमला

भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोनए रियलमी ने आज रियलमी 16 5जी पेश किया। यह नई जनरेशन के युवा यूज़र्स के लिए बनाया गया है जो अपनी क्रिएटिविटी,पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के साथ रोजमर्रा की विज़ुअल स्टोरीटैलिंग प्रदर्शित करना चाहते हैं।इसमें एआई आधारित ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा और जबरदस्त सेल्फी इनोवेशन दिए गए हैं। साथ ही 7000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी के बावजूद अल्ट्रा लाईट रियलमी 16 5जी मिड रेंज का सबसे बेहतर स्मार्टफोन है।

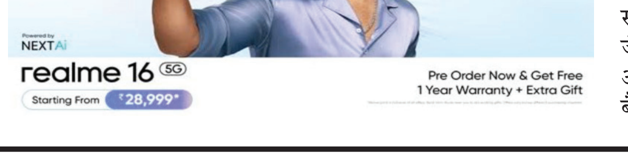

रियलमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर फ्रैंसिस वोंग ने कहा स्मार्टफोन उद्योग में मूल्य रीसेट हो रहे हैं। यूज़र्स हर मूल्य वर्ग में बेहतर फीचर्स चाहते हैं। रियलमी 16 5जी लॉन्च करने का उद्देश्य उनकी इन अपेक्षाओं को पूरा करना है। इस स्मार्टफोन में हमने कई इनोवेशन जैसे उद्योग का पहला सेल्फी मिरर और 7000 एमएएच की दमदार बैटरी के साथ स्लिम और दैनिक उपयोगिता का डिज़ाईन दिया है। रियलमी 16 5जी दो रंगों एयर व्हाईट और एयर ब्लैक में उपलब्ध होगा। इसे रियलमी. कॉम, फ्लिपकार्ट और मेनलाईन रिटेल स्टोर्स से खरीदा जा सकेगा। इसका शुरुआती मूल्य 31999 रुपये है। यह कई रैम और स्टोरेज विकल्पों में मिलेगा। रियलमी 16 5जी में 50 मेगापिक्सल के फ्रंट कैमरा और सोनी आईएमएक्स852 50 मेगापिक्सल रियर कैमरा के साथ एडवांस्ड ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा सिस्टम दिया गया है जो नई जनरेशन के युवा यूज़र्स को एआई पोर्ट्रेट फोटोग्राफी का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। इसके रियर कैमरा में 1/2.83 इंच का विशाल सेंसर, एफ1.8 एपर्चर और ऑटोफोकस क्षमता है जिसकी मदद से रोशनी की मुश्किल परिस्थितियों में भी शार्प डिटेल और भरोसेमंद इमेज परफॉर्मेंस मिलती है। 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा इमेज को और अधिक बेहतर बनाकर नैचुरल स्किन टोन और खूबसूरती से तराशे हुए फेशियल फीचर्स प्रदान करता है। इसलिए यह व्यक्तिगत सेल्फी और ग्रुप पोर्ट्रेट के लिए शानदार है और 30000 रुपये से कम मूल्य का सबसे अच्छा स्मार्टफोन है।

लौकी का जूस, सत्तू और मटके का पानीः आयुर्वेद के अनुसार गर्मियों में ऐसा होना चाहिए आपका खान-पान

जैसे-जैसे पारा बढ़ रहा है और हम गर्म दिनों की ओर बढ़ रहे हैं, प्रकृति हमें जीवनशैली बदलने का संकेत दे रही है। यह मौसम हल्के व्यायाम, ताजगी भरे पेय और शरीर को ठंडा रखने वाले आहार का है। दरअसल हमारा शरीर अपने परिवेश की मिट्टी और वातावरण के अनुसार भोजन का आनंद लेता है।

जैसे बाहर का मौसम बदलता है, हमारा आंतरिक वातावरण भी उसी के साथ तालमेल बिठाना चाहता है। इसलिए भोजन की अनुकूलता स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। फिट इंडिया के ब्रांड एंबेसडर डॉ. मिकी मेहता बता रहे हैं कि मौसमी मेन्यू का यह प्राचीन ज्ञान याद दिलाता है कि स्वास्थ्य केवल इस बारे में नहीं है कि हम क्या खाते हैं, बल्कि इस बारे में भी है कि हम इसे कब और क्यों खाते हैं।

कुदरत का न्याय

प्रकृति की बुद्धिमत्ता के साथ तालमेल बिठाने से हमें प्रचुर स्वास्थ्य, असीमित ऊर्जा और दीर्घायु प्राप्त होती है। सुपरमार्केट के दौर से पहले, दुनिया भर की संस्कृतियों ने अपना आहार इस आधार पर तय किया था कि वहां स्थानीय आधार पर किस ऋतु में क्या उगता है।

यह कोई संयोग नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव शरीर के बीच सामंजस्य की गहरी समझ थी। यह हमारे पोषण को प्रकृति के चक्रों के साथ जोड़कर बेहतर स्वास्थ्य, इम्युनिटी और जीवन शक्ति प्रदान करता है। प्रकृति ने केवल मानव जाति के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी पारिस्थितिकी के लिए एक सटीक व्यवस्था बनाई है। हमारे पूर्वजों द्वारा मौसमी मेन्यू को दिए गए महत्व को समझकर हम आज के आधुनिक युग में भी सही चयन कर सकते हैं।

वैदिक ज्ञान आधार

वैदिक ज्ञान और आयुर्वेद के अनुसार, हमारा शरीर पंचमहाभूत से बना है और ऋतुओं के साथ बदलता है। तापमान, मिट्टी और नमी हमारे मेटाबालिज्म को प्रभावित करते हैं। मौसमी खाद्य पदार्थ इन्हीं बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए विकसित हुए हैं।

उदाहरण के लिए, गर्मियों के फल जैसे खरबूजा, तरबूज या ककड़ी में पानी की मात्रा अधिक होती है। ये शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं, लू से बचाते हैं और तुरंत ऊर्जा देते हैं। इसके विपरीत, सर्दियों में भारी अनाज और जड़ वाली सब्जियां शरीर को गर्म रखने का काम करती हैं। इस प्रकार प्राचीन ज्ञान प्रकृति के साथ मिलकर शरीर की वास्तविक आवश्यकताओं को सही तरीके से पूरा करता है।

पाचन अग्नि संवर्धन

मौसमी खान-पान का सबसे बड़ा लाभ बेहतर पाचन है। हमारी पाचन अग्नि पूरे वर्ष बदलती रहती है। ठंडे महीनों में पाचन मजबूत होता है, लेकिन गर्मियों में यह अग्नि धीमी हो जाती है।

इसीलिए इस मौसम में फल, कच्ची सब्जियां और सूप जैसे हल्के भोजन अधिक उपयुक्त होते हैं। यदि हम गर्मी के

शिखर पर भारी और गरिष्ठ भोजन करते हैं तो पाचन तंत्र पर दबाव बढ़ता है, जिससे सुस्ती और कमजोरी महसूस होती है।

पोषण की प्रचुरता

मौसमी फल और सब्जियां हमेशा अधिक पौष्टिक होती हैं। जब कोई सब्जी या फल धूप-मिट्टी में स्वाभाविक रूप से पकता है, तो उसमें विटामिन, खनिज और एंटीआक्सीडेंट का स्तर उच्चतम होता है। इसके उलट, बिना मौसम वाली चीजें अक्सर समय से पहले काट-तोड़कर कृत्रिम रूप से पकाई जाती हैं, जिससे उनका पोषण मूल्य कम हो जाता है और वे प्रकृति की लय के विरुद्ध होती हैं। मैं यह बात जोर देकर कहता हूं कि ये जेब और स्वास्थ्य दोनों के अनुकूल नहीं हैं।

बेहतर रोग प्रतिरोधक

हमारा इम्यून सिस्टम मौसम के अनुसार अलग-अलग चुनौतियों का सामना करता है। गर्मियों में एंटीआक्सीडेंट से भरपूर फल हमें गर्मी और धूप के संपर्क से होने वाले आक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं।

वहीं मानसून में कड़वे और कसैले खाद्य पदार्थ आंतों के स्वास्थ्य को सुधारते हैं। प्रकृति के ये मौसमी उपहार एक निवारक औषधि के रूप में कार्य करते हैं और समस्याएं आने से पहले ही शरीर को तैयार कर देते हैं।

मूड और हार्मोन संतुलन

मौसमी भोजन हमारे हार्मोनल स्वास्थ्य और ऊर्जा को भी प्रभावित करता है। प्रकाश और तापमान में बदलाव मेलाटोनिन, कोर्टिसोल और इंसुलिन जैसे हार्मोन को प्रभावित करते हैं। मौसमी आहार इन हार्मोनल बदलावों के साथ तालमेल बिठाकर काम करता है, जिससे हम दिन भर ऊर्जावान महसूस करते हैं।

भोजन केवल शरीर को ही नहीं, मन को भी प्रभावित करता है। गर्मियों में ताजे और जीवंत खाद्य पदार्थ हमारे मूड को हल्का और स्पष्ट रखते हैं। चूंकि हमारी आंत हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है, इसलिए पोषक तत्वों से भरपूर ताजी सामग्री मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती है।

पर्यावरण हितैषी कदम

मौसमी खान-पान हमें जागरूकता और प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव महसूस कराता है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य के अलावा मौसमी भोजन पर्यावरण के लिए भी वरदान है। स्थानीय स्तर पर उगाई गई उपज के परिवहन और संरक्षण में कम संसाधनों की खपत होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम होता है। जब हम मौसमी भोजन चुनते हैं, तो हम उत्पादन के लिए दबाव डालने के बजाय प्राकृतिक चक्रों का सम्मान करते हैं और स्थानीय खेती का समर्थन करते हैं!

प्रचण्ड समय

प्राचीन ज्ञान अपनाएं

आज सुपरमार्केट और डिलीवरी एप्स के कारण हर चीज हर समय उपलब्ध है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि कौन सा भोजन स्वाभाविक रूप से कब उगता है। इस दूरी को केवल जागरूकता और इरादतन किए गए छोटे विकल्पों से कम किया जा सकता है।

इस ग्रीष्मकाल में प्राचीन ज्ञान का लाभ उठाने के लिए धीरे-धीरे शुरुआत करें। अपने क्षेत्र में गर्मियों में उगने वाले स्थानीय फलों को पहचानें। खरीदारी करते समय कोल्ड स्टोरेज वाली चीजों के बजाय ताजी उपज चुनें। । गर्मियों में हल्का और शरीर को शीतलता देने वाला आहार अपनाएं।

शीतल आहार लें

दोपहर में सफेद पेठा या लौकी का रस लें। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में सबसे शक्तिशाली है। इसी प्रकार बेहतर पाचन और शरीर को ठंडक देने के लिए सत्तू का सेवन किया जा सकता है।

जीवंत भोजन अपनाएं

दिन में एक बार का भोजन कच्चा रखें-जैसे ताजे फल या अंकुरित अनाज। सूरज की रोशनी से पके ये खाद्य पदार्थ शरीर के लिए बहुत लाभदायक हैं। इन्हें धीरे-धीरे अच्छी तरह चबाकर खाएं और महसूस करें कि इनके साथ सूर्य और प्रकृति की शक्ति आपके शरीर में समाहित हो रही है।

घड़े का जादू

जब बात पीने के पानी की आए तो फ्रिज के पानी के बजाय मिट्टी का मटका चुनें। यह प्राकृतिक रूप से क्षारीय होता है। इस पानी में पुदीना और नींबू डालकर पिएं।

सांसों का संतुलन

सूर्योदय के समय सूर्य नमस्कार करें। शीतली प्राणायाम करें। यह तकनीक आपके शरीर के तापमान को तुरंत कम कर मानसिक तनाव को शांत करती है।

थायराइड के कारण बढ़ सकती हैं ये गंभीर बीमारियां, प्रेग्नेंसी पर भी पड़ता है असर, बाबा रामदेव से जानें कैसे करें कंट्रोल?

शरीर उम्र के साथ भले ही बूढ़ा हो जाए, लेकिन दिल और दिमाग अगर जवान रहे तो ज़िंदगी का असली आनंद लिया जा सकता है। चलिए बाबा रामदेव से जानते हैं अपने आप को किए रखें बीमारियों से दूर-

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में थायराइड की समस्या तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रही है।

हार्मोनल असंतुलन के कारण लोग जल्दी थकान महसूस करने लगते हैं, वजन और मूड में बदलाव आता है और कई बार समय से पहले उम्रदराज़ भी दिखने लगते हैं। हालांकि, अच्छी बात यह है कि सही लाइफस्टाइल, संतुलित खानपान, नियमित एक्सरसाइज और पॉजिटिव सोच अपनाकर थायराइड को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। बाबा रामदेव कहते हैं कि अगर समय रहते ध्यान दिया जाए, तो न सिर्फ इस बीमारी के प्रभाव को कम किया जा सकता है, बल्कि एक स्वस्थ और संतुलित जीवन भी जिया जा सकता है।

थायराइड के लक्षण और बीमारियां

थायराइड की समस्या में व्यक्ति को थकान, घबराहट, चिड़चिड़ापन, हाथों में कंपन, नींद की कमी, बालों का झड़ना और मसल्स पेन जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं, वहीं लंबे समय तक नजरअंदाज करने पर यह प्रेग्नेंसी में दिक्कत, हार्ट की बीमारी, आर्थराइटिस, डायबिटीज़, कैंसर,

मोटापा (ओबेसिटी) और अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकती है।

थायराइड को कंट्रोल करने के उपाय

थायराइड को कंट्रोल में रखने के लिए नियमित वर्कआउट करें, सुबह एप्पल साइडर विनेगर लें, रात में हल्दी वाला दूध पिएं, रोज़ कुछ समय धूप में बैठें, खाने में नारियल तेल का इस्तेमाल करें और कम से कम 7 घंटे की पर्याप्त नींद जरूर लें।

थायराइड में क्या खाएं और क्या नहीं?

थायराइड में अलसी, नारियल, मुलेठी, मशरूम, हल्दी वाला दूध और दालचीनी जैसी चीजों का सेवन फायदेमंद माना जाता है, वहीं चीनी, सफेद चावल, केक-कुकीज़, ऑयली फूड और सॉफ्ट ड्रिंक्स से परहेज करना चाहिए।

योग भी है ज़रूरी

थायराइड को संतुलित रखने के लिए सूर्य नमस्कार, पवनमुक्तासन, सर्वांगासन, हलासन, उष्ट्रासन, मत्स्यासन और भुजंगासन जैसे योगासन नियमित रूप से करना फायदेमंद माना जाता है।

प्रचण्ड समय

सिर्फ पैरों में ही नहीं, हाथों में भी हो सकता है 'रेस्टलेस लेग सिंड्रोम', इग्नोर करना नहीं है समझदारी

सोचिए कि आप दिन भर की थकान के बाद बिस्तर पर लेटते हैं, लेकिन आपके हाथ आपको सोने नहीं देते। 55 वर्षीय चंद्रिका के साथ बिल्कुल ऐसा ही हो रहा था। हमेशा स्वस्थ और अनुशासित जीवन जीने वाली चंद्रिका को अचानक अपने हाथों में एक अजीब सी ऐंठन और बेचैनी महसूस होने लगी।

यह कोई साधारण दर्द नहीं था। उन्हें बार-बार अपने हाथों को हिलाने की एक तीव्र और न रोकी जा सकने वाली इच्छा होती थी। दिन के समय तो सब ठीक रहता, लेकिन जैसे ही शाम ढलती, यह परेशानी शुरू हो जाती और रात होते-होते अपने चरम पर पहुंच जाती। आइए, अपोलो हॉस्पिटल के सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार द्वारा शेयर किए गए पोस्ट के जरिए समझते हैं इस बारे में।

रिपोर्ट नॉर्मल, फिर भी हाथों में बेचैनी?

रातों की नींद पूरी न होने के कारण चंद्रिका का दिन भी थकावट और चिड़चिड़ेपन में बीतने लगा। परेशान होकर उन्होंने एक डॉक्टर से सलाह ली। खून की जांच में पता चला कि उनके शरीर में

विटामिन B12 की कमी है। डॉक्टर और चंद्रिका, दोनों को लगा कि शायद यही इस समस्या की जड़ है।

उन्हें सप्लीमेंट्स दिए गए। एक महीने बाद मेडिकल रिपोर्ट तो एकदम सामान्य आ गई, लेकिन उनके हाथों की वह रहस्यमयी बेचैनी जस की तस रही। निराशा बढ़ने लगी। उन्होंने दूसरे डॉक्टर का दरवाजा खटखटाया, जहां से उन्हें कुछ और विटामिन की गोलियां थमा दी गईं। चंद्रिका ने हर नियम का पालन किया, फिर भी उनकी रातें करवटें बदलते और हाथ झटकते हुए ही गुजर रही थीं। यह स्थिति उन्हें मानसिक रूप से खोखला कर रही थी।

हाथों की बेचैनी ने छीन ली रातों की नींद

जब वह एक विशेषज्ञ के पास पहुंचीं, तब तक वह बहुत ज्यादा घबराई हुई और ऊर्जाहीन महसूस कर रही थीं, लेकिन जब डॉक्टर ने उनकी बातों को ध्यान से सुना, तो बीमारी के कुछ खास पैटर्न समझ आने लगेः

उनकी परेशानी सिर्फ शाम और रात में ही बढ़ती थी।

हाथों को हिलाने पर उन्हें कुछ देर के लिए सुकून मिलता था।

इसके अलावा उन्हें कोई और शारीरिक समस्या नहीं थी।

डॉक्टर ने तुरंत समझ लिया कि यह असल में 'रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम' है। यह बहुत ही अजीब मामला था, क्योंकि इस बीमारी में आमतौर पर पैरों में तकलीफ होती है, लेकिन चंद्रिका के पैर बिल्कुल ठीक थे और केवल हाथों में समस्या थी।

खून की जांच में मिला अहम सुराग

इस बीमारी की तह तक जाने के लिए किए गए एक ब्लड टेस्ट में पता चला कि चंद्रिका के शरीर में 'सीरम फेरिटिन' (आयरन का एक रूप) का स्तर काफी कम था। यह एक बहुत बड़ा सुराग था। कई बार हीमोग्लोबिन सामान्य होने पर भी शरीर में फेरिटिन की कमी हो सकती है और यही कमी इस सिंड्रोम को और ज्यादा बिगाड़ देती है।

प्रचण्ड समय

सही दिशा में इलाज बेहद जरूरी

विटामिन की जगह अब चंद्रिका का असली इलाज शुरू हुआ। उन्हें आयरन सप्लीमेंट्स और इस सिंड्रोम को ठीक करने वाली खास दवाइयां दी गईं।

महज एक महीने के अंदर ही उनकी दुनिया बदल गई। जब वह अगली बार डॉक्टर के पास आईं, तो उनकी आवाज में एक गजब की शांति थी। उन्होंने बताया, "अब मैं बहुत अच्छी तरह सो पा रही हूं।" महीनों के बाद उनकी रातों की नींद लौटी थी और दिन की थकान पूरी तरह गायब हो चुकी थी।

इस कहानी से हमें क्या जरूरी बातें सीखनी चाहिए?

यह कहानी हमें बताती है कि हर बीमारी किताबों में लिखे साधारण नियमों के हिसाब से नहीं चलती।

हाथों में भी हो सकता है असरः 'रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम' का मतलब सिर्फ पैरों की बीमारी नहीं है। दुर्लभ मामलों में यह केवल हाथों या बाजुओं को भी अपना शिकार बना सकता है।

समय और गति का संबंधः अगर कोई शारीरिक बेचैनी रात में बढ़ जाती है और अंगों को हिलाने-डुलाने से उसमें आराम मिलता है, तो यह इस सिंड्रोम का एक बड़ा संकेत है।

गलतफहमी से बचेंः अक्सर इस बीमारी को अर्थराइटिस, न्यूरोपैथी या महज विटामिन की कमी समझ लिया जाता है, जिससे सही इलाज में देरी होती है।

फेरिटिन की अहमियतः ऐसी समस्या होने पर हमेशा 'फेरिटिन' की जांच करानी चाहिए, क्योंकि इसकी कमी इस बीमारी को ट्रिगर करने का एक बड़ा कारण है।

चंद्रिका की कहानी साबित करती है कि कई बार मरीज को ढेर सारे टेस्ट या विटामिन की नहीं, बल्कि एक ऐसे डॉक्टर की जरूरत होती है जो उसकी तकलीफ को ध्यान से सुने और सही कड़ियों को जोड़ सके।

अगर आपको या आपके परिवार में किसी को रात के समय ऐसी बेचैनी होती है जो अंगों को हिलाने से शांत हो जाती है, तो उसे हल्के में न लें।

बादशाह और नोरा फतेही का गाना 'सजन रे' रिलीज होते ही सुपरहिट

मुंबई। पिछले महीने बादशाह और नोरा फतेही, दोनों की अपने गानों को लेकर भद पिटी। उसके तुरंत बाद ही दोनों एक साथ नया गाना लेकर आ गए हैं। उनके गाने 'सजन रे' के रिलीज होते ही फैंस ने इसे हिट बना दिया है। एक नया समर एंथम आ गया है, जिसमें जबरदस्त डांसर नोरा फतेही और हिटमेकर बादशाह एक साथ आए हैं। 'सजन रे' एक ऐसा ट्रैक है जो जोश और मस्ती का मिश्रण है और दोनों कलाकारों के लिए बड़ी बात है क्योंकि पिछले दिनों दोनों ही अपने अलग-अलग गानों को लेकर खबरों में रहे। बादशाह के गाने के बोल को लेकर सवाल उठे, तो नोरा फतेही के वल्गर डांस को लेकर। बादशाह का गाना 'सजन रे' एक एनर्जी भरा ट्रैक है जो देसी हिप-हॉप को नई धुन के साथ पेश करता है। बादशाह की सिग्नेचर रिदम और लिरिक्स के जादू से भरपूर इस गाने को नोरा फतेही की गायकी से एक अलग ही पहचान मिलती है।

सलमान खान की दरियादिली

मुंबई। सलमान खान ने एक बार फिर अपनी दरियादिली से फैंस का दिल जीत लिया है। हाल ही में उनकी एक महिला फैन ने एक किस्सा शेयर किया, जिसने लोगों को भावुक कर दिया। यह फैन हार्ट ट्रांसप्लांट जैसी गंभीर स्थिति से गुजर रही थीं, तब सलमान ने न सिर्फ हिम्मत दी, बल्कि उनके साथ खड़े भी नजर आए।

दरअसल, कर्नाटक की रहने वाली रीना राजू, जो तीन बार हार्ट ट्रांसप्लांट झेल चुकी हैं, उन्होंने RJ Sowjanya को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि सर्जरी से ठीक पहले सलमान खान ने उन्हें कॉल किया था। उस समय अभिनेता ऑस्ट्रेलिया में शूटिंग कर रहे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने समय निकालकर रीना और उनके परिवार से करीब दो घंटे तक बात की। रीना के मुताबिक, वह अपनी पहली सर्जरी से पहले काफी डरी हुई थीं। ऐसे में सलमान ने उन्हें हिम्मत दी और ऑपरेशन के लिए मानसिक रूप से तैयार किया। उन्होंने कहा कि सलमान का यह सपोर्ट उनके लिए बड़ा सहारा था और इसी वजह से वह सर्जरी का सामना कर पाईं।

रीना ने बताया कि सर्जरी के बाद कुछ समय तक उनका सलमान से संपर्क नहीं रहा, लेकिन दो साल बाद जब उन्होंने फिर मैसेज किया तो अभिनेता ने उन्हें तुरंत पहचान लिया। इसके बाद उन्होंने उन्हें अपने मुंबई स्थित घर बुलाया, जहां उनके लिए एक छोटी पार्टी भी रखी गई। दोनों ने साथ में समय बिताया, गाने और डांस भी किया।इतना ही नहीं, सलमान खान ने रीना को अपनी फिल्म 'रेस 3' के सेट पर भी बुलाया और उन्हें बीइंग ह्यूमन ब्रांड की एक साइकिल गिफ्ट की। खास बात यह थी कि सलमान को याद था कि रीना ने कभी इस साइकिल की इच्छा जताई थी।

सुनंदा शर्मा को टच करने कूदा फैन डरकर चिल्लाई सिंगर, स्टेज छोड़ा

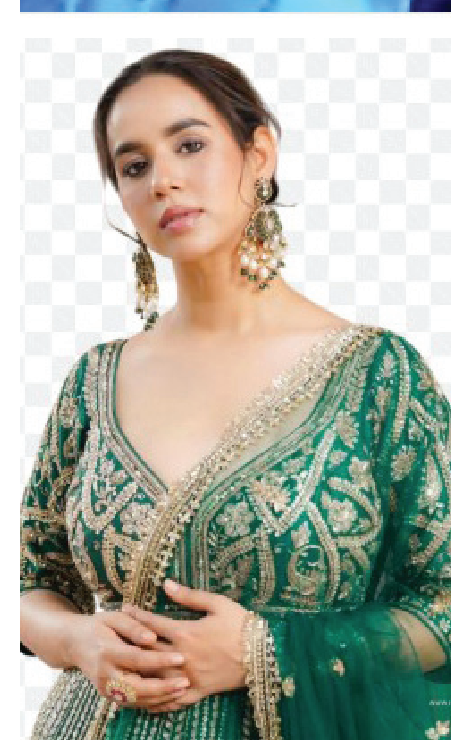

मुंबई। पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा ने गाजियाबाद में बीच में ही लाइव शो कैसिंल कर दिया और परफॉर्मेंस छोड़कर चली गईं। 3 अप्रैल की रात आरकेजीआईटी कॉलेज में चल रहे शो के दौरान अचानक एक युवक स्टेज पर चढ़ गया और उन्हें छूने की कोशिश करने लगा और उनके पैरों में गिर पड़ा।अचानक हुई इस घटना से सुनंदा घबरा गईं। जैसे ही युवक ने उन्हें छुआ, वह जोर से चीखीं और भागकर स्टेज के पीछे चली गईं। माइक ऑन होने की वजह से उनकी चीख साफ सुनाई दी, जिससे माहौल अफरा-तफरी में बदल गया। युवक करीब 2 मिनट तक स्टेज पर रहा और शाहरुख खान के सिग्नेजर स्टाइल में वाहें फैलाकर स्टूडेंट्स की तरफ देखने लगा।

आवाज सुनते ही पुलिस तुरंत स्टेज पर पहुंची और युवक को वहां से हटाया। बाउंसरों ने भी उसे पकड़कर स्टेज से नीचे उतारा और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल गाजियाबाद पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि युवक उसी कॉलेज का छात्र है।

इस घटना के बाद सुनंदा इतनी डर गईं कि दोबारा स्टेज पर नहीं लौटीं। नीचे मौजूद लोग उन्हें वापस बुलाते रहे, लेकिन उनकी टीम ने शो को बीच में ही कैंसिल करने का फैसला लिया। शो रद्द होने की घोषणा के बाद छात्र निराश होकर वापस लौट गए। युवक छलांग लगा स्टेज पर पहुंचाः सुनंदा ने जब स्टेज पर आकर 2 से 3 सॉन्ग गाकर माहौल बनाया था कि इसी दौरान स्टेज के नीचे से लड़के वीडियो बनाने लगे और सेल्फियां लेने लगे। सुनंदा का ध्यान गीत गाते हुए साथ-साथ में दर्शकों को गुनगाने पर था। इस बीच एक युवक सिक्योरिटी की नजर से बचता हुआ स्टेज पर पहुंच गया।

सुनंदा को टक किया तो डर से चीख निकलीः स्टेज पर आते ही युवक तेजी से सुनंदा की तरफ बढ़ा और उनके करीब पहुंच गया। युवक ने सुनंदा को छूने की कोशिश की। वो उनके पैरों की तरफ तेजी से गिरा, जिससे सुनंदा डर गईं और डर के मारे उसकी चीख निकल गई। सुनंदा की चीख सुनते ही सिक्योरिटी अलर्ट हुई और घेरा बनाकर सिंगर को ले गई।

युवक शाहरुख स्टाइल में वाहें फैलाए खड़ा हुआः घटना के बाद युवक स्टेज से उतरा नहीं और शाहरुख खान के सिग्नेजर स्टाइल में वाहें फैलाकर स्टूडेंट्स की तरफ देखने लगा। लगभग 2 मिनट तक युवक स्टेज पर रहा। इस बीच बाउंसरों और पुलिस वालों ने युवक को स्टेज से उतारा।

सिक्योरिटी ने धक्के देकर उतारा, हिरासत में लियाः स्टेज पर जैसे ही सिक्योरिटी पहुंची तो युवक भागने लगा। इस पर सिक्योरिटी ने उसे धक्के देकर पहले स्टेज से नीचे उतारा। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। गाजिबाद पुलिस के जवान उसे कॉलर से पकड़कर थाने ले गए। जहां युवक से पूछताछ की। पुलिस ने मामला दर्ज किया या नहीं इसके बारे में जानकारी साझा नहीं की।

शो कैंसिल से मायूस लौटे स्टूडेंट्सः घटना के बाद सुनंदा शर्मा की इवेंज मैनेजमेंट टीम नाराज हो गई और सिक्टोरिटी इश्यू को लेकर शो कैंसिल कर दिया। स्टेज से बाहर गईं सुनंदा फिर नहीं आईं। हालांकि कॉलेज

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।